लखनऊ

बुधवार 18 फरवरी, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 179

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

सपनों की उड़ान तभी ऊँची होती है जब मन में भरोसा और दिल में मेहनत की आग लगातार जलती रहती है।

TODAY WEATHER

DAY 20° Hi

NIGHT 10° Low

संक्षेप

मणिपुर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा , उग्रवादियों और ड्रग तस्करों की गिरफ्तारी

इंफाल। अधिकारियों ने बताया कि स्पीयर कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल अभिजीत एस. पेंढारकर ने सोमवार को मणिपुर का व्यापक दौरा किया और मौजूदा चुनौतियों के बीच सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि वरिष्ठ कमांडरों के साथ जीओसी ने उखरुल और कांगपोकपी के पहाड़ी जिलों के साथ-साथ इंफाल घाटी क्षेत्र के इंफाल पूर्व और इंफाल पश्चिम जिलों के प्रमुख क्षेत्रों का दौरा किया। दौरे के दौरान, लेफ्टिनेंट जनरल पेंढारकर ने रेड शील्ड डिवीजन, इंस्पेक्टर जनरल ऑफ असम राइफल्स (आईजीएआर-दक्षिण), और अन्य फॉर्मेशन कमांडरों से परिचालन वातावरण और जमीनी स्तर की गतिविधियों पर विस्तृत जानकारी प्राप्त की। जीओसी ने सेना और असम राइफल्स की तैनाती की समीक्षा की और उभरती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए सैनिकों की तैयारियों का आकलन करने के लिए उनसे सीधे बातचीत की। कठिन परिस्थितियों में शांति बनाए रखने के लिए सैनिकों के पेशेवर रवैये और अटूट प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए, लेफ्टिनेंट जनरल पेंढारकर ने मिशन के लिए अटूट तत्परता की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रवक्ता ने बताया कि उन्होंने सभी इकाइयों को विशेष रूप से संवेदनशील और अस्थिर क्षेत्रों में उच्च स्तर की सतर्कता और परिचालन चपलता बनाए रखने का निर्देश दिया, ताकि किसी भी तेजी से होने वाले घटनाक्रम का प्रभावी ढंग से जवाब दिया जा सके। इसी से संबंधित एक घटनाक्रम में, सुरक्षा बलों ने सोमवार को मणिपुर के विभिन्न जिलों से अलग-अलग उग्रवादी संगठनों से जुड़े पांच कट्टर आतंकवादियों को गिरफ्तार किया।

रुकी हवा की रफ्तार, एक्यूआई पहुंचा खतरे के निशान के पार, बारिश और तेज हवा की फिर बन रही है संभावनाएं

नोएडा। एनसीआर में एक बार फिर हवा की रफ्तार कम पड़ते ही वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) रेड जोन में पहुंच गया है। राजधानी दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद के अधिकांश इलाकों में प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया। हालांकि मौसम विभाग ने 18 फरवरी को बारिश और तेज हवाओं का पूर्वानुमान जताया है, जिससे इसके बाद एक बार फिर एक्यूआई में सुधार की उम्मीद है। दिल्ली के विभिन्न मॉनिटरिंग स्टेशनों पर दर्ज आंकड़ों के अनुसार स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। आनंद विहार में एक्यूआई 319, अशोक विहार में 337, बवाना में 321, बुराड़ी क्रॉसिंग में 345 और चांदनी चौक में 302 दर्ज किया गया, जो रेड जोन की श्रेणी में आता है। इंद्रप्रस्थ क्षेत्र के कुछ इलाकों में भी प्रदूषण का स्तर गंभीर रहा। वहीं अलीपुर में एक्यूआई 242, डीटीयू में 271 और द्वारका सेक्टर-8 में 234 दर्ज किया गया, जो ऑरेंज श्रेणी में है। आया नगर में 158 और सीआरआरआई मथुरा रोड पर 189 एक्यूआई दर्ज हुआ, जो येलो श्रेणी में है। इससे स्पष्ट है कि हवा की गति कम होने से प्रदूषक तत्व वातावरण में जमा हो गए हैं। नोएडा में सेक्टर-125 पर एक्यूआई 286, सेक्टर-62 में 223, सेक्टर-1 में 234 और सेक्टर-116 में 232 दर्ज किया गया।

'भारत और फ्रांस के संबंध बहुत ही विशेष', इमैनुएल मैक्रों के साथ जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। मुंबई में फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात के बाद साझा बयान में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और फ्रांस के संबंध बहुत ही विशेष है। फ्रांस भारत के सबसे पुराने रणनीतिक साझेदारों में से एक है। प्रेसिडेंट मैक्रों के साथ मिलकर हमने इस रणनीतिक साझेदारी को अभूतपूर्व गहराई और ऊर्जा दी है।

पीएम ने कहा कि इसी विश्वास और साझा विजन के आधार पर, आज हम अपने संबंधों को स्पेशल ग्लोबल स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप के रूप में स्थापित कर रहे हैं। हमें गर्व है कि भारत और फ्रांस मिलकर, माउंट एवरेस्ट की ऊंचाइयों तक उड़ान भरने वाला, विश्व का एकमात्र हेलीकॉप्टर

भारत में बनाएंगे और पूरे विश्व को एक्सपोर्ट करेंगे।

2026, भारत और यूरोप के संबंधों में एक टर्निंग प्वाइंट-पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि वर्ष 2026, भारत और यूरोप के संबंधों में एक टर्निंग प्वाइंट है। कुछ ही दिन पहले, हमने यूरोपियन यूनियन के साथ, भारत के इतिहास का सबसे बड़ा और महत्वाकांक्षी फ्री ट्रेड एग्रीमेंट किया। ये समझौता भारत और फ्रांस संबंधों में भी अभूतपूर्व गति लाएगा।

ग्लोबल इंस्टीट्यूशन के रिफॉर्म से ही ग्लोबलचैलेंज का समाधान: पीएम मोदी

हम इंडो-फ्रैंच सेंटर फॉर एआई इन हेल्थ, इंडो-फ्रैंच सेंटर फॉर डिजिटल साइंस एंड टेक्नोलॉजी और नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर स्किलिंग इन एयरोनॉटिक्स लॉन्च करने जा रहे हैं। और यह मात्र संस्थान नहीं हैं, यह फ्यूचर बिल्डिंग प्लेटफॉर्म हैं। आज दुनिया अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है। ऐसे माहौल में, India-France partnership एक फोर्स फॉर ग्लोबल स्टेबलिटी है। हम एकमत हैं कि ग्लोबल इंस्टीट्यूशन के रिफॉर्म से ही ग्लोबल चैलेंज का समाधान निकलेगा।

मुंबई, सपनों का शहर है: मैक्रों

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भारत-फ्रांस इनोवेशन फोरम का उद्घाटन किया। इस पर इमैनुएल मैक्रों ने कहा- 'सबसे पहले, प्रधानमंत्री, मेरा और मेरे प्रतिनिधिमंडल का यहां मुंबई में स्वागत करने के लिए दिल्ली से यात्रा करने और इस सत्र में उपस्थित होने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। आज आपकी उपस्थिति बहुत मायने रखती है और हमारे दोनों देशों के बीच लंबे समय से चली आ रही दोस्ती और हमारी व्यक्तिगत दोस्ती को दर्शाती है। मुंबई, सपनों का शहर, निरंतर गति में रहने वाला और भविष्य की ओर पहुंचने वाला शहर, आज हम जो उद्घाटन कर रहे हैं, उसे भारत-फ्रांस नवाचार वर्ष के रूप में लॉन्च करने के लिए एकदम सही जगह है।'

इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो विचारों, नवाचार और इरादों का शक्तिशाली संगम : पीएम मोदी

नई दिल्ली ,17 फरवरी (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026 की मुख्य विशेषताओं को साझा करते हुए कहा कि यह विचारों, नवाचार और इरादों का एक शक्तिशाली संगम था। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026 विचारों, नवाचार और इरादों का एक शक्तिशाली संगम था। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, इसने वैश्विक भलाई के लिए एआई के भविष्य को आकार देने में भारतीय प्रतिभा की असाधारण क्षमता को प्रदर्शित किया। सबसे बढ़कर, इसने मानव प्रगति के लिए एआई का जिम्मेदारपूर्वक, समावेशी रूप से और व्यापक स्तर पर उपयोग करने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। इससे पहले सोमवार को, प्रधानमंत्री मोदी ने भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026 का उद्घाटन किया और कहा कि एआई में भारत की प्रगति न केवल देश के लिए परिवर्तनकारी समाधानों को आकार देगी बल्कि वैश्विक उन्नति में भी योगदान देगी।

मतदाताओं की संख्या हुई 4 .40 करोड़, 74 लाख नाम कटे, कांग्रेस ने कोर्ट में दी चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग ने मंगलवार को गुजरात की अंतिम वोटर लिस्ट जारी कर दी। साढ़े तीन महीने चले विशेष सुधार अभियान (एसआईआर) के बाद अब राज्य में कुल 4,40,30,725 मतदाता हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय ने बताया कि 19 दिसंबर को जारी ड्राफ्ट लिस्ट के मुकाबले अब 5.60 लाख नए नाम जुड़े हैं।

इस अभियान से पहले गुजरात में कुल 5.08 करोड़ वोटर थे। जांच के दौरान लगभग 74 लाख वोटरों के नाम लिस्ट से हटा दिए गए। इस कारण ड्राफ्ट लिस्ट में वोटरों की संख्या घटकर 4.34 करोड़ रह गई थी। अब नए नाम जुड़ने के बाद यह आंकड़ा 4.40 करोड़ पहुंच गया है। वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने या हटाने

के लिए 19 दिसंबर 2025 से 30 जनवरी 2026 के बीच आपत्तियां और दावे लिए गए। चुनाव अधिकारियों ने 10 फरवरी तक इन सभी का निपटारा किया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी हरीत शुक्ला ने इस काम में सहयोग के लिए नागरिकों को बधाई दी। इस बड़े काम को पूरा करने में 34 जिला चुनाव अधिकारी, 182 रजिस्ट्रेशन अधिकारी, 855 सहायक अधिकारी और 50,963 बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) ने सक्रिय भूमिका निभाई। बड़ी संख्या में वॉलंटियर्स ने भी इसमें हिस्सा लिया। अभियान के दौरान 5.08 करोड़ वोटरों को फॉर्म बांटे गए और उनका डिजिटलीकरण किया गया। इसमें बीएलओ और राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए) के बीच बैठकें भी हुईं। इनका मकसद उन फॉर्मों की जांच करना था जो वापस नहीं आए थे। जिन वोटरों के फॉर्म नहीं मिले, उनकी लिस्ट जिला चुनाव अधिकारी और वेबसाइट पर भी डाली गई।

बांग्लादेश में नई सरकार, तारिक रहमान ली पीएम की शपथ, बोले- 'बदले की राजनीति का समय खत्म'

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के इतिहास में आज एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (BNP) के चेयरमैन तारिक रहमान आज दोपहर बाद देश के नए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। 13वें संसदीय चुनाव में मिली ऐतिहासिक जीत के बाद रहमान की ताजपोशी के लिए ढाका पूरी तरह तैयार है। आमतौर पर प्रधानमंत्री का शपथ ग्रहण राष्ट्रपति निवास में होता है, लेकिन इस बार इसे जनता के करीब लाने के उद्देश्य से जातीय संसद के साउथ प्लाजा में आयोजित किया जा रहा है।

BNP को 297 में से 209 सीटें मिलीं, जिससे उसे सरकार बनाने का पक्का मैन्डेट मिला। जमात-ए-इस्लामी ने 68 सीटें जीतीं, जबकि

अवामी लीग ने इलेक्शन नहीं लड़ा। पॉलिटिकल जानकार इन नतीजों को महीनों की अनिश्चितता के बाद बांग्लादेश के पॉलिटिकल माहौल में एक बड़ा बदलाव बता रहे हैं।

ऑफिस संभालने से पहले, रहमान ने अपनी सरकार की दिशा के बारे में एक पक्का मैसेज दिया। विरोधी पार्टियों के सपोर्टर्स से कैसे निपटेंगे, इस बारे में सवालों के जवाब में उन्होंने कहा कि "बदले की पॉलिटिक्स के लिए कोई जगह नहीं है।" उन्होंने साफ चेतावनी दी कि पॉलिटिकल जुड़ाव या अलग राय के आधार पर कोई भी हमला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि कानून का राज उनके एडमिनिस्ट्रेशन को गाइड करेगा और गवर्नेंस में पर्सनल या पॉलिटिकल बदले की कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा, "हमारे रास्ते अलग हो सकते हैं, हमारी राय अलग हो सकती है, लेकिन देश के लिए हमें एकजुट रहना चाहिए," और देश में एकता की अपील की। यह चुनाव एक टेंशन भरे समय के बाद हुआ, जिसमें माइनॉरिटी कम्युनिटीज़ के खिलाफ हिंसा की घटनाएं शामिल थीं। इस बैकग्राउंड में, रहमान की एकता की अपील का खास मतलब है। माइनॉरिटी कम्युनिटीज़ के चार नेताओं ने BNP टिकट पर सीटें जीतीं, जिनमें दो हिंदू और दो बौद्ध शामिल हैं। उनकी जीत को नई पार्लियामेंट में रिप्रेजेंटेशन के एक अहम संकेत के तौर पर देखा गया है।

इंडिया अलायंस में राहुल गांधी पर 'अविश्वास'? भाजपा बोली- अपने ही नेता छोड़ रहे साथ

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने मंगलवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा और कहा कि न तो जनता और न ही उनके सहयोगी और पार्टी सदस्य उनसे जुड़ना चाहते हैं। पूनावाला ने कहा कि पूर्व कांग्रेस नेता नवजोत कौर सिद्धू ने इस बात को उजागर किया है कि गांधी ने पंजाब की सद्भावना की उपेक्षा कैसे की। उन्होंने कहा कि आज राहुल गांधी के खिलाफ एक और अविश्वास प्रस्ताव पारित किया गया है। इस बार पंजाब से। नवजोत कौर सिद्धू, जिनके पति नवजोत सिद्धू अभी भी कांग्रेस में हैं, जिन्होंने पहले कहा था कि कांग्रेस में मुख्यमंत्री का पद 500 करोड़ रुपये में बिक गया है, ने बताया कि राहुल गांधी पंजाब की सद्भावना की अनदेखी कैसे

करते हैं।

पूनावाला ने यह भी दावा किया कि कांग्रेस के कई सहयोगी भी उन पर अविश्वास व्यक्त करते हैं और आगे कहा कि न तो जनता और न ही पार्टी के वरिष्ठ नेता गांधी से जुड़ना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इससे पहले, हमने मणि शंकर अय्यर का बयान देखा और असम कांग्रेस में जिस तरह के बयान दिए जा रहे हैं, उससे पता चलता है कि लोग वहां से भी अलग होना चाहते हैं। टीएमसी कह रही है, 'राहुल को हटाओ, ममता बनर्जी को लाओ और भारत गठबंधन को बचाओ।' कांग्रेस के कई सहयोगी दल भी इसी तरह राहुल गांधी के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश कर रहे हैं। इसलिए, न तो जनता राहुल गांधी के साथ है, न ही सहयोगी दल और गठबंधन के सदस्य उनके साथ हैं, न ही संगठन, और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भी कांग्रेस और राहुल गांधी से दूरी बनाए हुए हैं। आज सुबह, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद मनन कुमार मिश्रा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि पार्टी के वरिष्ठ सदस्य उनके नेतृत्व में घुटन महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ भूपेन कुमार बोराह की बात नहीं है; पार्टी के कई वरिष्ठ नेता घुटन महसूस कर रहे हैं। उन्हें फिलहाल कोई विकल्प नजर नहीं आ रहा; वे सभी राहुल गांधी का साथ छोड़ देंगे, क्योंकि वे उन्हें पसंद नहीं करते। राहुल गांधी अपने वरिष्ठों का सम्मान नहीं करते। यह तब हुआ जब असम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन कुमार बोराह ने सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को अपना इस्तीफा सौंप दिया था, लेकिन बाद में कुछ ही घंटों में इसे वापस ले लिया, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के राज्य प्रभारी जितेंद्र सिंह ने यह जानकारी दी।

राजनीतिक पार्टियों की चुनाव आयुक्त के साथ बैठक, एक या दो फेज में चुनाव कराने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। असम विधानसभा चुनाव 2026 से पहले मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के साथ आज को गुवाहाटी में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य दलों के साथ विचार-विमर्श किया। अधिकारियों ने बताया कि असम की राष्ट्रीय और राज्य की राजनीतिक पार्टियो ने मंगलवार को चुनाव आयोग के साथ अपनी मीटिंग में असम विधानसभा चुनाव एक या ज्यादा से ज्यादा दो फेज में कराने की मांग की।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयोग की पूरी बेंच राज्य में होने वाले आम चुनावों की तैयारियों का रिव्यू करने के लिए असम के दौरे पर है। कुमार ने असम में अपने अधिकारियों के

साथ राज्य के अपने तीन दिन के दौरे के दूसरे दिन एक होटल में मीटिंग की। राष्ट्रीय पार्टियों में आम आदमी पार्टी, भाजपा, माकपा और कांग्रेस ने मीटिंग में हिस्सा लिया, जबकि राज्य पार्टियों में ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (AIUDF), असम गण परिषद (AGP), बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (BPF) और यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (UPPL) ने कमीशन के साथ अलग-अलग मीटिंग कीं। ज्यादातर राजनीतिक पार्टियों ने मांग की कि एक ही फेज़ में या ज़्यादा से ज़्यादा दो फेज़ में कराए जाएं। पार्टियों ने चुनाव आयोग से बिहू त्योहार को ध्यान में रखते हुए चुनाव की तारीखें तय करने की भी अपील की। मुख्य चुनाव आयुक्त आज ही चीफ सेक्रेटरी, होम सेक्रेटरी, डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस, चीफ इलेक्टोरल ऑफिसर, पुलिस नोडल ऑफिसर और राज्य सरकार के दूसरे वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मीटिंग भी करेंगे।

वकील बना रहे एआई से ऐसी याचिका जिनका कुछ पता नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने जताई गहरी चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को अदालती याचिकाएं तैयार करने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के बढ़ते इस्तेमाल पर गहरी चिंता जताई। दरअसल हाल के दिनों में कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें वकीलों ने AI की मदद से याचिकाएं तैयार कर ऐसे निर्णयों और उद्धरणों का हवाला दे दिया, जो न तो कहीं मौजूद हैं और न ही कभी अस्तित्व में थे।

CJI सूर्यकांत न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना की पीठ ने हिमंता बिस्वा मामले की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। CJI ने कहा कि कुछ वकीलों ने बिना सत्यापन के AI टूल्स का इस्तेमाल शुरू कर दिया है, जिससे गलत और भ्रामक जानकारी अदालत में पेश की जा रही है।

याचिका में चौकाने वाले केस का हवाला

न्यायमूर्ति नागरत्ना ने एक चौंकाने वाला उदाहरण देते हुए बताया कि अदालत के समक्ष 'दया बनाम मानवता' नाम से एक काल्पनिक फैसले का हवाला दिया गया, जिसका कोई अस्तित्व ही नहीं है। उन्होंने कहा कि कई बार वास्तविक निर्णयों का हवाला देते समय भी उनके जो अंश पेश किए जाते हैं, वे मूल निर्णय में मौजूद नहीं होते।

AI समिट के बीच कोर्ट की चेतावनी

गौरतलब है कि यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब देश में एक अंतरराष्ट्रीय AI समिट चल रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने इस अवसर पर AI के दुरुपयोग को लेकर सचेत किया।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह न्यायपालिका में AI के गलत इस्तेमाल से सचेत रहने को लेकर जल्द ही सभी हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री को प्रशासनिक निर्देश जारी करेगा। अदालत ने साफ किया कि तकनीकी अनुसंधान में सहायक हो सकती है, लेकिन अंतिम जिम्मेदारी वकीलों की ही है।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता के समक्ष भी उठा मामला

सीजेआई ने बताया कि इसी तरह का मुद्दा न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की अदालत में भी उठा था। उन्होंने कहा, "न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता के मामले में भी कुछ गड़बड़ थी। जिन पूर्व उदाहरणों का हवाला दिया गया, वे सभी मनगढ़ंत थे और अस्तित्व में ही नहीं थे।"

इमरान खान के लिए गावस्कर-कपिल भी आए साथ, 14 क्रिकेट कप्तानों की पाकिस्तान सरकार से गुहार

नई दिल्ली, एजेंसी। पांच टेस्ट खेलने वाले देशों के चौदह पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कप्तानों ने पाकिस्तान सरकार से पूर्व प्रधानमंत्री और विश्व कप विजेता कप्तान इमरान खान के स्वास्थ्य को लेकर गंभीर चिंताओं के मद्देनजर, जेल में बेहतर व्यवहार और चिकित्सा देखभाल सुनिश्चित करने की अपील की है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ग्रेग चैपल द्वारा तैयार की गई यह याचिका मंगलवार दोपहर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को सौंपी गई। इस पत्र पर भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सुनील गावस्कर और कपिल देव के साथ-साथ ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान एलन बॉर्डर, स्टीव वॉ, इयान चैपल, बेलिंडा क्लार्क और किम ह्यूजेस; इंग्लैंड के माइक एथर्टन, नासिर हुसैन, माइक ब्रेयरली और डेविड गोवर; वेस्टइंडीज के क्लाइव लॉयड; और न्यूजीलैंड के जॉन राइट ने भी हस्ताक्षर किए हैं।

पूर्व कप्तानों ने लिखा कि उनके स्वास्थ्य से संबंधित हालिया रिपोर्टों - विशेष रूप से हिरासत में रहते हुए उनकी दृष्टि में आई चिंताजनक गिरावट - और पिछले ढाई वर्षों से उनकी कैद की स्थितियों ने हमें गहरी चिंता में डाल दिया है। उन्होंने आगे कहा कि एक साथी क्रिकेटर के रूप में, जो निष्पक्ष खेल, सम्मान और आदर के मूल्यों को समझते हैं, जो मैदान की सीमाओं से परे हैं, हमारा मानना है कि इमरान खान जैसे कद के व्यक्ति को एक पूर्व राष्ट्रीय नेता और वैश्विक खेल हस्ती के रूप में गरिमा और बुनियादी मानवीय सम्मान के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए।

ऑनलाइन सट्टे की लत ने बनाया कर्जदार, खेत-मकान तक बिका, कानपुर हत्या और सुसाइड केस में बड़े भाई ने खोले राज

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कानपुर। यूपी के कानपुर के सेन पश्चिम पारा के तुलसियापुर में पत्नी और बेटे की गोली मारकर हत्या करने के बाद आत्महत्या करने वाले चेतराम को जुए और सट्टे का लती बताया जा रहा है। इसी लत के चलते वह कर्जदार हो गया था। कर्जे के चक्कर में पहले घर और फिर एक बीघा खेत तक बेचना पड़ा। पुलिस को उसके मोबाइल में सट्टे आदि से जुड़े कई साक्ष्य मिले हैं।

मृतक चेतराम के बड़े भाई रामबाबू ने बताया कि वह कर्ज चुकाने के लिए काफी परेशान था। कुछ दिन पहले उसने उन्हें बताया था कि गांव के ही एक युवक से कर्जा लिया है। उसे चुकाने के लिए उसके पास नकद रुपये नहीं हैं। ऐसे में जमीन ही बेचनी पड़ेगी। कर्जा देने वाला युवक उनकी जमीन खरीदने को तैयार है।

हाल ही में हुई मुलाकात में उसने एक बीघा खेत बेचने की बात कही थी। उसने बताया कि इस पर पिता अयोध्या प्रसाद ने बीते सप्ताह 12 लाख रुपये में एक बीघा खेत उसी युवक को बेच दिया। उसने कर्ज वाले 4.5 लाख रुपये काटने के बाद शेष 7.10 लाख रुपये दे दिए। इसमें से 4.90 लाख रुपये चेतराम के बैंक खाते और 2.60 लाख रुपये नकद दिए थे।

फरवरी 2025 में बेच दिया था मकान

इससे पहले चेतराम ने फरवरी 2025 में आवास विकास हंसपुरम वाला मकान बेच दिया था। उसने मकान की बिक्री से मिले रुपयों से तुलसियापुर में जमीन खरीदकर घर बनवाया था। पुलिस मृतक के मोबाइल को कब्जे में लेकर ऑनलाइन लेनदेन की पड़ताल कर रही है।

भाई की पत्नी मिलने से मना करती थी

बाबूराम ने बताया कि भाई चेतराम की ससुराल पाल्हेपुर नरवल में है। चेतराम की पत्नी सुनीता पुलिस वाले की बेटी थी। उसके पिता बृजपाल पुलिस में दीवान थे। शादी के बाद से ही दोनों परिवारों के बीच मनमुटाव रहता था। सुनीता पति को उन लोगों से मिलने से मना करती थी। यही वजह थी कि 2024 में जब चेतराम ने बेटी प्रीति का मेरठ में विवाह किया था। वह चाहकर भी उन लोगों को नहीं बुला पाया। दंपती में अक्सर विवाद होता था।

उंगलियों पर लगे बारूद के कण खोलेंगे राज

दोहरे हत्याकांड और आत्महत्या की सूचना पर पहुंचे मृतकों के परिजन और रिश्तेदार घटना को लेकर सवाल उठा रहे हैं। चेतराम के भाई उसके द्वारा हत्या करने की बात नकार रहे हैं। आरोप लगा रहे है कि किसी ने घर पर दोनों की हत्याकर चेतराम को वहां मारकर फेंका है।

ऐसे में पुलिस ने चेतराम की उंगलियों से जीएसआर (गन शॉट रिव्यू) के साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस फॉरेंसिक की रिपोर्ट आने का इंतजार कर रही है। थाना प्रभारी प्रदीप सिंह ने बताया कि पत्नी और बेटे की हत्या करने के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस पारिवारिक और जमीनी विवाद के साथ ही अन्य मामलों की जांच कर रही है।

पूर्व में भी किए जा चुके रिश्तों के कत्ल

रिश्तों के कत्ल से मानवता पहले ही भी शर्मसार हो चुकी है। सेनपश्चिम थाना क्षेत्र के तुलसियापुर में पत्नी और बेटे की गोली मारकर हत्या करने के बाद खुद पिता ने जान दे दी। इस दिल दहला देने वाली वारदात ने पूर्व में हो चुके इसी तरह की अन्य घटनाओं की याद को फिर से जहन में उतार दिया।

पूर्व में हुई कुछ वारदातें

11 जनवरी 2026 घाटमपुर कोतवाली क्षेत्र के सर्देपुर में ट्रक में खलासी पति सुरेंद्र यादव ने अपनी पत्नी रूबी और बेटे लवांश की बांके से काटकर नृशंस हत्या कर दी थी। घर में सब्जी न होने के कारण नशे में जमकर झगड़े के बाद वारदात की गई थी।

19 दिसंबर 2025 अरौल थाना इलाके के आचार्यनगर में सराफा कारोबारी अजय कटियार ने पत्नी की मौत वाले दिन अपने दो बेटों रुद्र और शुभम की ईंट से कुंचने के बाद खुद आत्महत्या कर ली थी। इलाज के दौरान शुभम की जान बच गई थी।

16 जनवरी 2024 फजलगंज थाना क्षेत्र के दर्शनपुरवा इलाके में चरित्र के शक पर पति अर्जुन ने अपनी पत्नी सोनी को चापड़ से काट डाला। इसके बाद तेजाब से नहला दिया था। वारदात में बचाने पहुंची बेटी वैष्णवी की भी चापड़ से हत्या की कोशिश की थी।

04 दिसंबर 2021 कल्याणपुर थाना क्षेत्र के इंदिरानगर स्थित डिविनिटी होम्स अपार्टमेंट की पांचवीं मंजिल पर डॉ. सुशील ने पत्नी चंद्रप्रभा, बेटे शिखर, बेटी खुशी को जहर देकर गला घोंटा था। इसके बाद खुद भी खुदकुशी कर ली थी।

यह है पूरा मामला

कानपुर के सेन पश्चिम पारा में सोमवार तड़के रिटायर्ड फौजी चेतराम पासवान (52) ने पत्नी सुनीता (45) और बेटे दीप (16) की दोनाली बंदूक से गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने खुद ट्रेन से कटकर जान दे दी। पुलिस उनकी बाइक के नंबर के आधार पर घर पहुंची। घर में पत्नी व बेटे के खून से लथपथ शव पड़े मिले। पुलिस और फॉरेंसिक ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। जेसीपी लॉ एंड ऑर्डर और डीसीपी साउथ ने मौके पर पहुंचकर रिश्तेदारों से पूछताछ की। दंपती में अक्सर विवाद होने और रिटायर्ड फौजी के सट्टे की लत में कर्जदार होने की बात सामने आई है।

संशोधित शासनादेश से होगी ईसीसीई एजुकेटर साक्षात्कार एवं भर्ती

सुलतानपुर। ईसीसीई एजुकेटर में साक्षात्कार अब भारत सरकार द्वारा विकसित जेम पोर्टल से श्रम विभाग द्वारा प्राविधानित व्यवस्थानुसार की जाएगी। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी उपेन्द्र गुप्ता ने बताया कि 09 फरवरी 2026 को उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संशोधित शासनादेश जारी किया गया हैं। संशोधित शासनादेश में चयन प्रक्रिया को भारत सरकार द्वारा विकसित जेम पोर्टल से श्रम विभाग द्वारा प्राविधानित व्यवस्थानुसार कार्यवाही कराने का आदेश दिया गया हैं। जनपद में कुल 290 पदों पर नियुक्ति होनी हैं। कुल पद से तीन गुना अभ्यर्थियों को कंप्यूटर रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया से शार्टलिस्ट कर साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा जिसमें किसी भी तरह का मानवीय हस्तक्षेप नहीं होगा। सेवायोजन पोर्टल पर कुल 4800 अभ्यर्थियों के आवेदन प्राप्त हुए हैं जिसमें सेवायोजन पोर्टल से कंप्यूटर रेंडमाइजेशन प्रक्रिया द्वारा अभ्यर्थियों को बुलाया जाएगा।

कोचिंग सेंटर दुष्कर्म कांड के आरोपियों पर बड़ी कार्रवाई, दरिंदों के अवैध अतिक्रमण पर गरजा बाबा का बुलडोजर

आर्यावर्त संवाददाता

फर्रुखाबाद। फर्रुखाबाद जिले में दुष्कर्म के आरोपियों के अतिक्रमण पर मंगलवार सुबह प्रशासन ने बुलडोजर की कार्रवाई की। मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और भारी पुलिस बल मौजूद हैं। कंपिल कस्बे के एक कोचिंग सेंटर मे पांच माह पूर्व तीन मुस्लिम युवकों ने एक किशोरी को कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म किया। साथ ही, अश्लील वीडियो भी बना लिया।

अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर दरिंदो ने कई बार दुष्कर्म किया। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी अनस, सलमान और शिबू के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर न्यायालय मे पेश किया। यहां से उन्हें जेल भेज दिया गया परिजनों ने जनप्रतिनिधियों से आरोपियों के अतिक्रमण पर बुलडोजर कार्रवाई की मांग की।

फिलहाल शांत खड़ा है बुलडोजर

सोमवार शाम राजस्व कर्मियों ने पूर्व मे भेजे गए नोटिस के अनुसर अतिक्रमण की नापजोख की। कब्जेदारों को दुकान खाली करने के निर्देश दिए। मंगलवार सुबह बुलडोजर को देखते ही लोग जमा हो गए। कुछ तोड़फोड़ करने के बाद उच्च अधिकारियों के निर्देश पर बुलडोजर कार्रवाई रोक दी गई। फिलहाल बुलडोजर शांत खड़ा है।

सरस्वती विद्या मंदिर उ. मा. विद्यालय पंचकुइयां में पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित

» 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम के तहत आयोजित प्रतियोगिता में 60 बच्चों ने लिया भाग

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। सरस्वती विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, पंचकुइयां में मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में "डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम के तहत पोस्टर, रोल प्ले और क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गयी। डायरिया के प्रति जागरूकता के लिए आयोजित प्रतियोगिता में 60 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया, जिसमें कक्षा-आठ के कार्तिक पहले, कक्षा-सात की नंदिनी दूसरे और कक्षा-आठ के शिवम तीसरे स्थान पर रहे। कक्षा-पांच की दिव्यांशी को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू के सहयोग से किया गया। इस मौके पर छात्र-छात्राओं को डायरिया रोकथाम और प्रबंधन के बारे में विस्तार से बताया गया। क्विज और पोस्टर के जरिए डायरिया से बचाव के जरूरी संदेश दिए गए। स्वास्थ्य विभाग से प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. राहुल सारस्वत ने कहा कि डायरिया की चपेट में कई कारणों से बच्चे आ सकते हैं, जैसे- दूषित जल पीने से, दूषित हाथों से भोजन बनाने या बच्चे को खाना खिलाने, खुले में शौच करने या बच्चों के मल का ठीक से निस्तारण न करने आदि से। इसलिए शौच और बच्चों का मल साफ़ करने के बाद, भोजन बनाने और खिलाने से पहले हाथों को साबुन-पानी से अच्छी तरह अवश्य धुलें। उन्होंने कहा कि टीकाकरण सारणी के अनुसार बच्चों को सारे टीके लगवाएं और रोटावायरस, विटामिन ए को लेना न भूलें। भोजन को ढककर रखें ताकि मक्खियाँ उस पर न बैठें। जिंक की खुराक को दस्त ठीक होने के बाद भी 14 दिनों तक जारी रखें। पीने के पानी को साफ़ रखें और पीने के पानी को निकालने के लिए डंडीदार लोटे का प्रयोग करें। छह माह से छोटे बच्चों को दस्त होने पर भी स्तनपान जारी रखना चाहिए। डायरिया के दौरान ओआरएस से शरीर में पानी की कमी को रोकें।

इस मौके पर प्रधानाचार्य राजकुमार व अन्य शिक्षकों के साथ आशा कार्यकर्ता माया और संजना, अरविन्द कुमार परामर्शदाता, जिला अस्पताल, पीएसआई इंडिया से सीनियर मैनेजर अनिल द्विवेदी, पंकज कुमार, आरती और सोनल आदि उपस्थित रहे।

अतिक्रमण हटाओ अभियान में 6 दुकानदारों पर कार्रवाई, 5500 रुपये जुर्माना

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। जिलाधिकारी के निर्देश पर नगर पालिका द्वारा चलाए जा रहे अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत सोमवार को नगर क्षेत्र में व्यापक कार्रवाई की गई। अधिशासी अधिकारी लालचंद्र सरोज के नेतृत्व में पुलिस विभाग एवं नगर पालिका की संयुक्त टीम ने मुख्य मार्गों और पटरी क्षेत्रों में सघन अभियान चलाया।अभियान के दौरान मुख्य बाजार क्षेत्र अंतर्गत कोतवाली नगर से खैराबाद, जिलाधिकारी आवास होते हुए गभड़िया पुल तक तथा बस स्टॉप से डायवर्जन कोतवाली नगर मार्ग तक सड़क की दोनों पटरीयों पर दुकानों का सामान फैलाकर किए गए अतिक्रमण को हटाया गया।कार्रवाई के दौरान 6 दुकानदारों व पटरी विक्रेताओं पर कुल 5500 रुपये का जुर्माना लगाया गया। साथ ही भारी मात्रा में सामान जब्त करते हुए सड़क और पटरी को अतिक्रमण मुक्त कराया गया।अधिशासी अधिकारी लालचंद्र सरोज ने बताया कि नगर क्षेत्र के मुख्य मार्गों को अतिक्रमण मुक्त कराने का अभियान निरंतर जारी रहेगा। पालिका द्वारा वेंडिंग जोन में नियमित रूप से पटरी विक्रेताओं की उपस्थिति की जांच की जा रही है। निर्धारित स्थान पर दुकान न लगाने वाले विक्रेताओं को नोटिस जारी कर आवंटन निरस्त करने की कार्रवाई भी की जा रही है।उन्होंने बताया कि आगामी वित्तीय वर्ष में वेंडिंग जोन के अस्थायी स्थल आवंटन से संबंधित जारी किए गए कोड युक्त पटरी विक्रय प्रमाण पत्रों का नवीनीकरण नहीं किया जाएगा। सभी दुकानदारों को सख्त हिदायत दी गई है कि वे दुकान के अंदर ही सामान रखें तथा वेंडिंग जोन में ही व्यवसाय करें। अभियान में पालिका के अवर अभियंता सिविता सुभी नीलम, राजस्व निरीक्षक प्रवीन सिंह, अनुज कुमार भारती सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

पाकिस्तान में जन्म, यूपी में ठिकाना, नाजिया ने बनवा लिए थे दो नामों से दो वोटर कार्ड, चौंकाने वाले खुलासे

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। मेरठ के नादिर अली बिल्डिंग निवासी फरहत मसूद से शादी कर लगभग 37 साल पहले भारत में आई पाकिस्तान निवासी सबा मसूद उर्फ नाजिया ने वर्ष 2003 में दो अलग-अलग नाम से वोटर कार्ड बनवाए थे। इन दोनों नाम से ही वोटर कार्ड बनवाए थे।

सोमवार को देहली गेट थाना पुलिस ने 23 साल बाद उसे गिरफ्तार कर लिया। नाजिया और उसकी बेटी एमन फरहत पर फर्जी पासपोर्ट, वोटर कार्ड आदि बनवाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज करने के बाद यह कार्रवाई की है।

प्राथमिकी दर्ज कराने वाली महिला ने नाजिया के आईएसआई से भी जुड़े होने का शक जाहिर किया है। देहली गेट की कोठी अतानस निवासी रुखसाना ने दर्ज कराई गई प्राथमिकी में कहा कि जली कोठी की नादिर अली बिल्डिंग निवासी बैंड कारोबारी

फरहत मसूद (पुत्र मसूद अहमद) ने वर्ष 1988 में पाकिस्तान के लाहौर जाकर सबा उर्फ नाजी उर्फ नाजिया नाम की महिला से पाकिस्तान में निकाह किया था।

इसके लगभग एक साल बाद वह पति फरहत के साथ लॉन्ग टर्म वीजा पर भारत आ गई और दंपती के तीन संतान हुई। इनमें दो बेटे भारत में हुए। वर्ष 1993 में नाजिया पाकिस्तान गईं। वहां उसने 25 मई 1993 को बेटी एमन फरहत को जन्म दिया। आरोप है कि पाकिस्तान से लौटते समय नाजिया अपने पाकिस्तानी पासपोर्ट पर एमन फरहत को भारत में ले आई।

यहां आने के बाद एमन का दाखिला कैंट के एक प्रतिष्ठित स्कूल में करा दिया गया। पाकिस्तान में जन्म होने के कारण एमन के भी पाकिस्तानी होने और फर्जी दस्तावेज बनवाकर भारत में रहने का आरोप है। प्राथमिकी में सबा के पिता पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े होने का भी शक जाहिर किया गया है।

एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि देहली गेट पुलिस और खुफिया विभाग की टीम ने नाजिया से पूछताछ की और उसके पहचान संबंधित कागजात लेकर जांच की। आरोप सही पाए जाने पर सबा उर्फ नाजिया को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी महिला को मंगलवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा। वहीं, आरोपी पक्ष का कहना है कि संपत्ति विवाद में उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। फर्जी कागजात बनाने का आरोप गलत है।

सबा के खिलाफ मिले साक्ष्य, बढ़ेगी विदेशी अधिनियम की धारा

एसपी सिटी का कहना है कि वर्ष 2003 की मतदाता सूची में सबा उर्फ नाजिया के दो अलग-अलग नाम मिले हैं। इसके अलावा वह खुफिया विभाग को बिना बताए सहारनपुर आदि स्थानों पर गई हैं। इसके चलते इस मामले में विदेशी अधिनियम की धारा बढ़ाई जाएगी। हालांकि फर्जी पासपोर्ट नहीं मिला है। एसआईआर में सबा का मतदाता सूची से नाम कटा है या नहीं। इसकी जांच की जा रही है। एमन के खिलाफ अभी ठोस सबूत नहीं मिला है।

इन धाराओं में दर्ज हुई है प्राथमिकी

बीएनएस की धारा 318 (4): यह धोखाधड़ी की धारा है। इसमें आरोप सिद्ध होने पर सात साल तक की सजा का प्रावधान है।

बीएनएस की धारा 336 (3): जालसाजी कर इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड में हेरफेर करना। इसमें भी सात साल तक की सजा हो सकती है।

बीएनएस की धारा 338: किसी वसीयत, मूल्यवान प्रतिभूति, संपत्ति का हस्तांतरण या किसी व्यक्ति को वित्तीय/संपत्ति अधिकार देने वाले फर्जी दस्तावेज बनाना। इसमें 10 साल से लेकर उम्रकैद तक की सजा हो सकती है।

बीएनएस की धारा 340 (2): जाली दस्तावेज/इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड (जैसे फर्जी पहचान पत्र, ईमेल, रसीद, डिजिटल हस्ताक्षर) को जानबूझकर असली बताकर इस्तेमाल करना। इस अपराध में भी सात साल तक की सजा का प्रावधान है।

बीएनएस की धारा 351 (2): यदि कोई व्यक्ति किसी के शरीर, प्रतिष्ठा या संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की धमकी देकर डराता है या कोई अवैध कार्य करने के लिए मजबूर करता है। इस अपराध में दो वर्ष तक का कारावास और जुर्माने का प्रावधान है।

'वो उसे खुश रखता तो...', अलीगढ़ के सास-दामाद केस में नया वीडियो, अफेयर पर जीजा ने कही दिल की बात

आर्यावर्त संवाददाता

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ वाले सास-दामाद केस में अब उस जीजा का वीडियो सामने आया है, जिसके साथ सास अपना देवी के भागने का आरोप लगा है। जीजा देवेंद्र ने मीडिया के सामने अपना देवी का पक्ष रखा। बोला- अगर राहुल उसे (अपना देवी) को प्यार देता तो वो मेरे पास ना आती। मैंने भी राहुल का वीडियो देखा है, जिसमे वो कह रहा था कि उसके पैरों पर काला धागा (ताबीज) बांधकर अपना देवी ने उसे वश में कर लिया था। काला धागा तो कोई भी अपने पैरों पर ऐसे ही बांध लेता है। तंत्र-मंत्र की बात बिल्कुल झूठ है।

देवेंद्र की एक बुजुर्ग रिश्तेदार ने भी राहुल को ही गलत ठहराया। बोलीं- गलती तो राहुल की है। उसके अपनी ही सास को क्यों भगाया। शादी तो सास की लड़की के साथ तय थी

ना। ऐसे में गलत तो राहुल ही है, जिसने सास से नजदीकियां बढ़ाईं। और अब उसे ही वो गलत बता रहा है।

जब मीडिया कर्मियों ने पूछा कि अपना देवी अभी कहां है। इस पर देवेंद्र ने कहा- मुझे नहीं पता। अगर वो मेरे पास आती है तो मैं आपसे उसकी बात जरूर करवाऊंगा। देवेंद्र से जब पूछा गया कि अगर पुलिस वाले अपना देवी को थाने बुलाएंगे तो? देवेंद्र बोला- तो फिर हम उसे थाने लेकर जरूर आएंगे। तब मीडिया कर्मी बोले- यानि आपको पता है कि अपना देवी कहां है। इस पर थोड़ी देर चुप रहकर फिर देवेंद्र ने कहा कि अपना देवी अलीगढ़ गई है। पुलिस कप्तान से मामले में शिकायत देने। हालांकि, इसके बाद देवेंद्र ने अपना देवी के बारे में कोई और जानकारी नहीं दी।

दरअसल, ये केस 10 महीने पुराना है। राहुल नामक युवक का रिश्ता मडराक थानाक्षेत्र की रहने वाली शिवानी संग तय हुआ था। 16 अप्रैल 2025 को दोनों की शादी होनी थी। मगर इसी बीच राहुल की नजदीकियां अपनी ही सास अपना देवी से बढ़ गईं। फिर शादी से ठीक 10 दिन पहले यानि 6 अप्रैल 2025 को दोनों कहीं गायब हो गए। तब दोनों के अफेयर की परिवार को भनक हुई। पुलिस तक मामला जा पहुंचा।

सीतामढ़ी में रहने लगे साथ

छिपते छिपाते फिर 17 अप्रैल को राहुल और अपना देवी वापस गांव लौटे। फिर दोनों ने पुलिस की मौजूदगी में कहा कि हम दोनों साथ रहना चाहते हैं। तब अपना देवी के पति और बेटी दोनों ने ही उससे ये कहकर रिश्ता खत्म कर लिया कि वो उनके लिए मर चुकी है। राहुल और अपना देवी फिर बिहार के सीतामढ़ी जाकर रहने लगे। सब कुछ सही था। मगर 10 महीने बाद ही कुछ ऐसा हुआ कि ये मामला फिर से सुर्खियों में आ गया।

दामाद का छलका दर्द

6 फरवरी को अपना देवी अपने ही जीजा देवेंद्र संग भाग गई। राहुल ने फिर थाने में तहरीर देकर कि अपना देवी के खिलाफ शिकायत दी। बताया- अपना देवी का कैरेक्टर ही ऐसा है। वो किसी एक इंसान के साथ रह ही नहीं सकती। वो मेरे यहां से 2 लाख कैश और गोल्ड लेकर भागी है। राहुल ने अपना देवी पर तंत्र मंत्र कर वश में करने का आरोप भी लगाया। बोला- मेरी तो बुद्धि ही फिर गई थी। मैं अपने घर वालों से भी दूर हो गया था। मुझे सिर्फ वही दिखती थी। और देखो आज वो मुझे ही छोड़कर चली गई।

शिवरात्रि पर श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ, आचार्य नरोत्तम शास्त्री ने शिव परिवार को बताया आदर्श

आर्यावर्त संवाददाता

बल्दीराय,सुल्तानपुर। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर क्षेत्र में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा का भव्य शुभारंभ कथा व्यास आचार्य श्री नरोत्तम शास्त्री द्वारा किया गया। कथा के प्रथम दिवस उन्होंने भगवान शिव के चरित्र, तप, त्याग और पारिवारिक मूल्यों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि शिवजी का जीवन संपूर्ण विश्व के कल्याण और मानव जीवन के लिए सर्वोच्च शिक्षा प्रदान करता है। कथा व्यास ने माता पार्वती के जीवन प्रसंग का उल्लेख करते हुए बताया कि विवाह से पूर्व माता पार्वती द्वारा की गई कठोर तपस्या के फलस्वरूप उन्हें भगवान शिव पति रूप में प्राप्त हुए। विवाह के उपरांत भी माता पार्वती ने सत्संग और धर्ममय जीवन को अपनाया, जिसका फल यह हुआ कि उन्हें गणेश और कार्तिकेय जैसे तेजस्वी एवं लोककल्याणकारी पुत्र प्राप्त हुए।

आचार्य नरोत्तम शास्त्री ने बताया कि भगवान गणेश समस्त देवताओं में अध्यक्ष पद पर विराजमान हैं, उनकी पत्नी ऋद्धि-सिद्धि हैं तथा उनके पुत्र लाभ और क्षेम हैं। यह संकेत देता है कि भगवान शिव का परिवार संपूर्ण देव समाज में एक आदर्श परिवार के रूप में प्रतिष्ठित है, जिसका मूल उद्देश्य मानव जीवन को उत्तम संस्कार, संयम और सदाचार की प्रेरणा देना है।कथा आयोजन में मुख्य यजमान के रूप में प्रताप नारायण शुक्ला, त्रिलोकीनाथ शुक्ल, विशाल शुक्ला, अशोक शुक्ला, राजेश शुक्ला, अवधेश शुक्ला, मनीष शुक्ला, लालजी तिवारी, प्रियव्रत शुक्ला, रबीश शुक्ला, लालमणि शुक्ला सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। इंदौर से पधारे कथा प्रेमी शोभा शर्मा, धन्नालाल शर्मा, राधेश्याम सेठ, मधु सेठ सहित सैकड़ों श्रोताओं ने कथा श्रवण कर पुण्य लाभ अर्जित किया।शिवरात्रि के इस पावन अवसर पर आयोजित श्रीमद्भागवत कथा से पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहा।

अखिलेश यादव जाएं संघ की शाखाओं में, दोपहर 12 बजे उठने की आदत जाएगी छूट, दी चुनौती

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव को श्रीकृष्ण जन्मभूमि के लिए आगे आने की सलाह दी है। इटावा में निर्माणाधीन केदारेश्वर मंदिर के संभावित निमंत्रण पर उन्होंने कहा कि यदि अखिलेश यादव शुद्ध नीयत से यह मंदिर बनवाते तो मैं अवश्य जाता, लेकिन नीयत साफ नहीं है। फिर भी मैं उनको बधाई दूंगा कि देर आए-दुरुस्त आए, आखिर मंदिर बनवा रहे हैं। अब वह श्रीकृष्ण जन्मभूमि के लिए भी आगे आएं, लोग प्रशंसा करेंगे। मुख्यमंत्री मंगलवार को एक निजी चैनल के कॉन्क्लेव में बोल रहे थे। इस मौके पर सीएम योगी ने साफ शब्दों में ऐलान किया कि 2022 से अधिक सीटें पाकर 2027 में डबल इंजन की भाजपा सरकार फिर सत्ता में आएगी।

देश राहुल गांधी को और प्रदेश अखिलेश यादव को गंभीरता से नहीं लेता

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि जिसकी जैसी दृष्टि, वैसी सृष्टि। इन लोगों को कोई नहीं समझा सकता, इनकी दृष्टि देश व प्रदेश के लिए हमेशा नकारात्मक रही है। राहुल गांधी को देश और अखिलेश यादव को यूपी गंभीरता से नहीं लेता। कांग्रेस किसी को भी नेता प्रतिपक्ष बना सकती थी। सोनिया जी का स्वास्थ्य ठीक नहीं है, इसलिए परिवारवादी पार्टी ने राहुल जी को नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी सौंप दी। जब जहाज डूबता है तो कैप्टन भी वही व्यक्ति बनता है, जो उसे आसानी से डुबो सके, इसलिए राहुल जी को कैप्टन बनाया गया।

'भाग्य नगर' से भयभीत होकर अनर्गल प्रलाप कर रहे ओवैसी

सीएम योगी ने ओवैसी को भी आड़े हाथ लिया। बोले कि यूपी की जनता व डबल इंजन सरकार ने श्रीराम जन्मभूमि के माध्यम से संदेश दे दिया है। यूपी के बाद भाजपा अब हैदराबाद की तरफ ही रुख करेगी। ओवैसी की पीड़ा इस बात को लेकर है कि कहीं हैदराबाद को भाग्य नगर न बना दिया जाए। भाग्य नगर से भयभीत होकर वे अनर्गल प्रलाप कर रहे हैं। मुसलमानों का एक पक्ष भले ही उनका समर्थन करता हो, लेकिन यूपी में उनका कोई स्कोप नहीं है। हो सकता है कि अखिलेश उनसे गठबंधन करना चाहते होंगे।

राममंदिर के साथ रामराज्य की वास्तविक अवधारणा को धरातल पर उतारा

एक प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी को उसकी पहचान वापस दिलाना सबसे बड़ा अचीवमेंट है। यूपी का नौजवान अब पहचान का मोहताज नहीं। किसान खुशहाल है और श्रमिक स्वावलंबन के साथ अपने जनपद-क्षेत्र में रोजगार प्राप्त कर रहा है। महिलाएं सुरक्षित हैं और यूपी आर्थिक उन्नति के नित नए सोपान प्राप्त कर रहा है। यही रामराज्य है। बिना भेदभाव हर तबके को उसका हक प्राप्त हो रहा है। भगवान राम की जन्मभूमि पर राममंदिर का निर्माण रामराज्य की अवधारणा पर ही आधारित है। हम केवल मंदिर बना देते और यह बदलाव करके नहीं दिखाते तो यह भगवान राम की अवज्ञा होती। हम लोगों ने रामराज्य की वास्तविक अवधारणा को धरातल पर उतारने का कार्य किया। यह डबल इंजन सरकार की ताकत है, जो कहा है, वह करके दिखाया है। आगे भी जो कहेंगे, करके दिखाएंगे।

2027 में फिर बनेगी भाजपा नेतृत्व की सरकार

सीएम योगी ने कहा कि 2027 को लेकर कोई शक नहीं है। 2022 से अधिक सीट मिलेंगी और 2027 में फिर भाजपा नेतृत्व की डबल इंजन सरकार बनेगी। डबल इंजन सरकार ने यूपी को ट्रिपल-टी (टेक्नोलॉजी, ट्रस्ट व ट्रांसफॉर्मेशन) से जोड़ा है और वह 2027 में धूम-धड़ाके के साथ फिर से आएगी। कांग्रेस व राजद की जो दुर्गति बिहार में हुई है, 2027 में वही दुर्गति कांग्रेस व सपा की उत्तर प्रदेश में तय है। सीएम ने मीडियाकर्मियों से कहा कि आप सभी 75 जनपदों, 403 विधानसभा क्षेत्रों में जाइए, आम जनता वर्तमान सरकार की वकालत करती नजर आएगी।

महाराज सुहेलदेव का विरोध और गाजी का मेला लगाते हैं सपाई

सीएम योगी ने कहा कि सोमनाथ मंदिर को अपवित्र करने वाले और अयोध्या में श्रीराम मंदिर पर पहला आतंकी हमला करने वाले गाजी को उसके पापों की सजा महाराज सुहेलदेव ने दी थी। लेकिन सपा के लोग महाराज सुहेलदेव का गुणगान करने के बजाय गाजी का नाम लेते हैं, उसका मेला लगाते हैं। ये लोग महाराज सुहेलदेव के स्मारक का विरोध करते हैं। हमें गर्व है कि भाजपा सरकार ने बहराइच में महाराज सुहेलदेव का भव्य स्मारक और आजमगढ़ में महाराज सुहेलदेव विश्वविद्यालय का निर्माण किया।

परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीडीए) के चेयरमैन हैं अखिलेश

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा के पीडीए को अवसरवाद का दूसरा नमूना बताया। बोले कि पीडीए मतलब परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटी। यह एक परिवार के विकास के लिए गठित अवसरवादी अथॉरिटी है जिसके चेयरमैन अखिलेश, शिवपाल सीईओ और रामगोपाल यादव वाइस चेयरमैन होंगे। उनके पास महाभारत के सारे रिश्ते हैं, बाकी अन्य भाई-भतीजों को भी इसमें स्थान मिलेगा।

अखिलेश संघ की शाखाओं में जाएंगे तो जल्दी जागना सीख जाएंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि अखिलेश यादव को संघ की शाखाओं में जाकर सामान्य आचार व नियमों की जानकारी लेनी चाहिए। अखिलेश यादव 12 बजे सोकर उठते हैं, वे संघ की शाखा में जाएंगे तो जल्दी जगने की आदत हो जाएगी। समय पर जागेंगे तो यह उनके हित में होगा और जिस पारिवारिक पार्टी को लेकर चल रहे हैं, उसका भी नाम बना रहेगा। सीएम योगी ने वंदे मातरम के जिक्र पर कहा कि यह राष्ट्रगीत है, यह आजादी का मंत्र रहा है। इस गीत को गाते-गाते क्रांतिकारियों ने फांसी के फंदे को चूमने में संकोच नहीं किया। राष्ट्र प्रतीकों का अपमान संविधान निर्माताओं, बाबा साहेब व क्रांतिकारियों का अपमान है। राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान व तिरंगा का अपमान राष्ट्रद्रोह है, जिसे भारत स्वीकार नहीं करेगा।

बुलडोजर व ब्रह्मोस एक-दूसरे के पूरक

सीएम योगी ने कहा कि बुलडोजर और ब्रह्मोस एक-दूसरे के पूरक हैं। बुलडोजर यूपी की स्ट्रेंथ का प्रतीक है। हम इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ-साथ देश के सबसे बड़े और सबसे ज्यादा एक्सप्रेसवे के नेटवर्क को यूपी में स्थापित कर सकते हैं। यूपी की जनता जिसकी अपेक्षा कर रही थी, बुलडोजर उस माफिया प्रवृत्ति को कुचल सकता है। ब्रह्मोस जैसे सेक्टर में भी यूपी में बड़े निवेश हो रहे हैं। यह भारत की सामरिक शक्ति का प्रतीक है। किसी ने भारत की आन, बान और शान को लेकर गुस्ताखी करने का प्रयास किया तो दुश्मन को उसके ठिकाने पर जाकर मारेंगे।

पाकिस्तान की इकॉनमी यूपी का भी मुकाबला नहीं कर सकती

सीएम योगी ने कहा कि पाकिस्तान जब मुकाबला नहीं कर पाया तो दुनिया के सामने चिल्लाने लगा। आज भी भारत कोई बड़ा कार्य करता है तो पाकिस्तान दुनिया के मंच पर चिल्लाता है कि मेरी सुरक्षा पर खतरा है। भारत सबसे तेज गति से उभरने वाली अर्थव्यवस्था है। भारत तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित हो रहा है। पाकिस्तान की इकॉनमी यूपी का भी मुकाबला नहीं कर सकती, भारत की बात तो बहुत दूर है।

यूपी बोर्ड की परीक्षाएं 18 फरवरी से, 53 लाख से अधिक परीक्षार्थी होंगे शामिल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षाएं 18 फरवरी से 12 मार्च 2026 तक आयोजित की जाएंगी। इस वर्ष कुल 53,37,778 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं, जिनमें हाईस्कूल के 27,61,696 और इंटरमीडिएट के 25,76,082 छात्र-छात्राएं शामिल हैं। परीक्षा को नकलविहीन, पारदर्शी और सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के लिए प्रदेश में 8033 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इनमें 596 राजकीय, 3453 अशासकीय सहायता प्राप्त तथा 3984 स्ववित्त पोषित विद्यालय शामिल हैं।माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी ने परीक्षा से पूर्व लखनऊ स्थित शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) शिविर कार्यालय में स्थापित राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम का उद्घाटन किया। उन्होंने बताया कि परीक्षा व्यवस्था को पूरी तरह तकनीक आधारित और पारदर्शी बनाया गया है। प्रदेश के 18 जनपद संवेदनशील घोषित किए गए हैं। 222 परीक्षा केंद्र अति संवेदनशील और 683 संवेदनशील श्रेणी में रखे गए हैं, जहां एसटीएफ और स्थानीय अभिसूचना इकाई की विशेष निगरानी रहेगी। अति संवेदनशील केंद्रों का दिन में दो बार निरीक्षण सुनिश्चित किया गया है।परीक्षा की निगरानी के लिए प्रत्येक कक्ष में वॉयस रिकॉर्डरयुक्त दो सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। राउटर, डीवीआर और हाई-स्पीड इंटरनेट की सुविधा के साथ पूरी परीक्षा अवधि की लाइव मॉनिटरिंग वेबकास्टिंग के माध्यम से की जाएगी। सभी परीक्षा केंद्रों के स्ट्रांग रूम 24 घंटे सीसीटीवी निगरानी में रहेंगे। प्रश्नपत्र वितरण कक्ष और उत्तर पुस्तिका सीलिंग-पैकिंग कक्ष की भी ऑनलाइन मॉनिटरिंग की व्यवस्था की गई है। व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए 8033 केंद्र व्यवस्थापक, 8033 बाह्य केंद्र व्यवस्थापक, 8033 स्टैटिक मजिस्ट्रेट, 1210 सेक्टर मजिस्ट्रेट और 427 जोनल मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए हैं। इसके अलावा 69 मंडलीय और 440 जनपदीय सचल दल गठित किए गए हैं। शासन स्तर से सभी 75 जनपदों और 18 मंडलों में राज्य स्तरीय पर्यवेक्षकों की तैनाती की गई है।परीक्षार्थियों और अभिभावकों की सहायता के लिए लखनऊ स्थित राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम से टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 18001806607 और 18001806608 जारी किए गए हैं। परिषद मुख्यालय प्रयागराज के टोल-फ्री नंबर 18001805310 और 18001805312 भी सक्रिय रहेंगे। ईमेल एवं सोशल मीडिया माध्यमों से भी शिकायत और सुझाव दर्ज कराए जा सकेंगे। प्रयागराज के अतिरिक्त वाराणसी, मेरठ, बरेली और गोरखपुर के क्षेत्रीय कार्यालयों में भी कंट्रोल सेंटर स्थापित किए गए हैं।

फर्जी एटीएस अधिकारी बनकर 'डिजिटल अरेस्ट' के नाम पर 90 लाख की ठगी, तीन साइबर अपराधी गिरफ्तार

लखनऊ। साइबर क्राइम थाना कमिश्नरेट लखनऊ ने स्वयं को एटीएस अधिकारी बताकर 'डिजिटल अरेस्ट' के नाम पर 90 लाख रुपये की ठगी करने वाले तीन शातिर साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में अपराध संख्या 23/2026 धारा 318(4), 319(2) भारतीय न्याय संहिता तथा धारा 66(डी) सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया गया है।पीड़ित पक्ष के अनुसार 26 जनवरी 2026 को वादी की पत्नी वीना बाजपेयी के मोबाइल पर स्वयं को एटीएस मुख्यालय में तैनात इंस्पेक्टर बताने वाले व्यक्ति का फोन आया। कॉलर ने आतंकवाद और मनी लॉन्ड्रिंग जैसे गंभीर मामलों में संलिप्तता का आरोप लगाकर गिरफ्तारी की धमकी दी। इसके बाद उन्हें सिग्नल ऐप डाउनलोड कर संपर्क में रहने को कहा गया।

संक्षेप

काकोरी में युवक की चाकू मारकर हत्या, चार नामजद आरोपी हिरासत में

लखनऊ। थाना काकोरी क्षेत्र में ग्राम लालताखेड़ा के बाहर एक बाग के पास सोमवार रात लगभग 10 बजे युवक पर चाकू से हमला किए जाने की सूचना पुलिस को प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही सहायक पुलिस आयुक्त काकोरी और थाना प्रभारी काकोरी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। फील्ड यूनिट ने साक्ष्य संकलन की कार्रवाई की। मौके पर रक्त के धब्बे पाए गए।जांच में सामने आया कि घायल युवक रामसागर पुत्र इन्दल, उम्र लगभग 24 वर्ष, निवासी ग्राम माधौटांडा थाना माधौटांडा जनपद पीलीभीत को उसके भाई राहुल द्वारा 108 एंबुलेंस से सीएचसी सरोजनीनगर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।राहुल की तहरीर के अनुसार रामसागर ने दिसंबर 2024 में कामिनी पुत्री भीमा गौतम निवासी ग्राम लालताखेड़ा थाना काकोरी से प्रेम विवाह किया था। विवाह के बाद कामिनी कुछ समय ससुराल में रही, लेकिन बाद में उसके परिजन उसे अपने घर ले गए। आरोप है कि उसके परिजन उसकी दूसरी जगह शादी कराने की तैयारी कर रहे थे।बताया गया कि 16 फरवरी 2026 को राहुल अपने भाई रामसागर के साथ कामिनी को विदा कराने लालताखेड़ा आया था। गांव के बाहर बातचीत के दौरान कामिनी के पिता भीमा गौतम, उसके पुत्र सुमित और अमित तथा पंकज पुत्र इन्दर गौतम निवासी ग्राम लोनहा थाना बंथरा लखनऊ से विवाद हो गया। आरोप है कि पंकज, सुमित, अमित और भीमा गौतम ने एकराय होकर रामसागर और राहुल के साथ गाली-गलौज व मारपीट की। इसी दौरान सुमित ने रामसागर पर चाकू से कई वार किए। बीच-बचाव करने पर राहुल के साथ भी मारपीट की गई। शोर होने पर आरोपी मौके से फरार हो गए।घटना के संबंध में थाना काकोरी पर मु0अ0सं0 58/2026 धारा 103(1), 115(2), 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है। नामजद चारों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पोस्टमार्टम की कार्रवाई जारी है तथा अन्य विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति सामान्य है।

निजीकरण के विरोध में 20 फरवरी को प्रदेशव्यापी 'विरोध दिवस', आंदोलन के 450 दिन पूरे

लखनऊ। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश के आह्वान पर निजीकरण एवं उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियों के विरोध में चल रहे आंदोलन के 450 दिन पूर्ण होने के अवसर पर आगामी 20 फरवरी को प्रदेश भर में बिजली कर्मियों द्वारा "विरोध दिवस" मनाया जाएगा।संघर्ष समिति के केंद्रीय पदाधिकारियों ने बताया कि विरोध दिवस के दौरान सभी ऊर्जा निगमों के नियमित कर्मचारी, संविदा कर्मी, जूनियर इंजीनियर तथा अभियंता भोजनावकाश अथवा कार्यालय समय के उपरांत अपने-अपने जनपदों, परियोजनाओं और कार्यस्थलों पर शांतिपूर्ण लेकिन प्रभावी विरोध प्रदर्शन करेंगे।संघर्ष समिति ने पावर कॉरपोरेशन प्रबंधन से मांग की है कि जब प्रदेश के ऊर्जा मंत्री अरविन्द कुमार शर्मा ने विधानसभा में राज्य की विद्युत व्यवस्था में व्यापक सुधार और 24 घंटे निर्बाध आपूर्ति का उल्लेख किया है, तो प्रबंधन को निजीकरण की प्रक्रिया पर पुनर्विचार करते हुए इसे तत्काल निरस्त करना चाहिए। समिति का कहना है कि इससे ऊर्जा निगमों में सकारात्मक कार्य वातावरण स्थापित हो सकेगा।समिति ने आरोप लगाया कि निजीकरण के विरोध में शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे बिजली कर्मियों के विरुद्ध उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियाँ की जा रही हैं, जिससे कर्मचारियों में असंतोष व्याप्त है। हालांकि आंदोलन के दौरान उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है और भविष्य में भी उपभोक्ता हितों को साथ लेकर ही आंदोलन संचालित किया जाएगा।संघर्ष समिति ने कहा कि यदि प्रबंधन वास्तव में विद्युत व्यवस्था में सुधार और बेहतर सेवा देने के लिए प्रतिबद्ध है, तो निजीकरण की प्रक्रिया समाप्त कर कर्मचारियों को विश्वास में लिया जाए।उल्लेखनीय है कि आंदोलन के 447वें दिन भी प्रदेश के सभी जनपदों एवं परियोजनाओं पर बिजली कर्मियों द्वारा व्यापक विरोध प्रदर्शन किया गया।

टीईटी के नाम पर अनुभवी शिक्षकों का अपमान बर्दाश्त नहीं, अध्यादेश लाओ या गद्दी छोड़ो : आप शिक्षक प्रकोष्ठ

लखनऊ। आम आदमी पार्टी शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र सिंह ने केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि डबल इंजन सरकार की नीतियों के कारण अनुभवी शिक्षकों को सड़क पर उतरने को मजबूर किया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि "अध्यादेश लाओ या गद्दी छोड़ो", क्योंकि गुरुओं के सम्मान से समझौता किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा।महेंद्र सिंह ने आरोप लगाया कि केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार टीईटी के नाम पर वर्षों से कार्यरत शिक्षकों को कठघरे में खड़ा कर रही है। उन्होंने कहा कि जो शिक्षक वर्षों तक बच्चों का भविष्य संवारते रहे, आज उन्हें अपनी पात्रता सिद्ध करने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। उनके अनुसार यह स्थिति बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और शिक्षकों की पीड़ा सुनने वाला कोई नहीं है।उन्होंने कहा कि 2011 से पहले नियुक्त शिक्षकों को अयोग्य बताना उनके दशकों के अनुभव और राष्ट्र निर्माण में दिए गए योगदान का अपमान है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब सरकार बड़े उद्योगपतियों के कर्ज माफ करने के लिए नीतिगत बदलाव कर सकती है, तो शिक्षकों के हित में अध्यादेश लाकर राहत क्यों नहीं दे सकती।महेंद्र सिंह ने कहा कि 50 वर्ष की आयु पार कर चुके अनेक शिक्षक, जिन्होंने हजारों छात्रों को उच्च पदों तक पहुंचाया, आज पात्रता परीक्षा के नाम पर मानसिक दबाव झेल रहे हैं। आम आदमी पार्टी की मांग है कि केंद्र सरकार तत्काल हस्तक्षेप कर कार्यरत शिक्षकों को वन-टाइम रिलैक्सेशन प्रदान करे और उनके अनुभव को ही पात्रता का आधार माना जाए।उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो पार्टी शिक्षकों के सम्मान की इस लड़ाई को प्रदेशभर में तेज करेगी और इसे गांव-गांव तथा गली-गली तक ले जाया जाएगा।

नगर निगम व नगर पालिका अधिनियम में संशोधन पारित

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा में नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा के नेतृत्व में एक महत्वपूर्ण संशोधन विधेयक पारित किया गया। सदन ने उत्तर प्रदेश नगर निगम संशोधन अधिनियम 2026 तथा उत्तर प्रदेश नगर पालिका संशोधन अधिनियम को पारित करते हुए मानव गरिमा और समानता की दिशा में कदम बढ़ाया।मंत्री ए के शर्मा ने सदन में कहा कि कुष्ठ रोग एक गैर-संक्रामक और पूर्णतः इलाज योग्य रोग है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम 1959 की धारा 115 के खंड (ड)(i) तथा उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 8 के खंड 2(i)(b) में प्रयुक्त "कुष्ठाश्रम" शब्द को विलोपित किया गया है। उनके अनुसार यह शब्दावली कुष्ठ रोग से प्रभावित अथवा स्वस्थ हो चुके

व्यक्तियों के प्रति भेदभावपूर्ण मानी जाती रही है।उन्होंने कहा कि पूर्व में उच्चतम न्यायालय द्वारा भी राज्यों को ऐसे भेदभावपूर्ण शब्दों को कानूनों से हटाने के निर्देश दिए गए थे। उसी क्रम में राज्य सरकार ने यह संशोधन लाकर सामाजिक न्याय और संवेदनशील प्रशासन की प्रतिबद्धता दर्शाई है।मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार कुष्ठ रोगियों की देखभाल, उपचार और पुनर्वास के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है तथा किसी भी स्तर पर भेदभाव बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने समाज से अपील की कि ऐसे व्यक्तियों के साथ समान सम्मान और संवेदनशीलता का व्यवहार किया जाए।इस अवसर पर आगरा से विधायक पुरुषोत्तम खंडेलवाल, हाथरस से विधायक मंजुला सिंह माहौर और रायबरेली से विधायक अशोक कुमार ने इस पहल का स्वागत करते हुए मंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।सदन में पारित यह संशोधन विधिक सुधार के साथ-साथ सामाजिक चेतना और समावेशी शासन की दिशा में उठाया गया कदम माना जा रहा है।

परिवहन निगम की समीक्षा बैठक में संचालन व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक प्रभु एन. सिंह की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी क्षेत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में निगम मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों एवं समस्त क्षेत्रीय प्रबंधकों ने विभागीय प्रगति, बस संचालन व्यवस्था तथा यात्री सुविधाओं से जुड़े विषयों पर विस्तृत चर्चा की।प्रबंध निदेशक ने निर्देश दिए कि सभी बसों का संचालन निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने चालकों और परिचालकों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि प्रत्येक निर्धारित स्टॉप पर बस को अनिवार्य रूप से रोका जाए तथा यात्रियों को उनके गंतव्य तक सुरक्षित पहुँचाया जाए। उन्होंने कहा कि इससे यात्रियों की सुविधा में वृद्धि होगी और निगम के राजस्व में भी सुधार आएगा।

विकासनगर व्यापार मंडल का भव्य शपथ ग्रहण समारोह

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। विकासनगर क्षेत्र में स्थित लक्ष्मी कॉम्पलेक्स, निकट मामा चौराहा में विकासनगर, लखनऊ व्यापार मंडल का शपथ ग्रहण समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता लखनऊ व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने की। समारोह में बड़ी संख्या में व्यापारी, गणमान्य नागरिक एवं विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे, जिससे आयोजन को विशेष गरिमा प्राप्त हुई।कार्यक्रम का संचालन विशाल चौरसिया एवं एडवोकेट पान सिंह भंडारी ने संयुक्त रूप से किया। मुख्य अतिथि के रूप में युवा भाजपा नेता नीरज सिंह की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि को अंगवस्त्र, माला एवं मोमेंटो भेंट कर सम्मानित करने के साथ हुआ।

इसके पश्चात अमरनाथ मिश्र, देवेंद्र गुप्ता, अरविंद पाठक, इमरान कुरैशी, नितिन जैन, गोपाल दीक्षित, राकेश मिश्र (पार्षद), अजय सक्सेना, रिंकू यादव, आशीष श्रीवास्तव, परमजीत सिंह, पवन सिंह चौहान एवं आदर्श सिंह का भी सम्मान किया गया।समारोह के दौरान मुख्य अतिथि द्वारा विकासनगर व्यापार मंडल के नवनियुक्त पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से संगठन के उद्देश्यों को सर्वोपरि रखते हुए पूर्ण निष्ठा, पारदर्शिता और समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया। शपथ ग्रहण करने वालों में संरक्षक पद पर गुप्ता, अरविंद पाठक, इमरान कुरैशी, नितिन जैन, गोपाल दीक्षित, राकेश मिश्र (पार्षद), अजय सक्सेना, रिंकू यादव, आशीष श्रीवास्तव, परमजीत सिंह, पवन सिंह चौहान एवं आदर्श सिंह का भी सम्मान किया गया।समारोह के दौरान मुख्य अतिथि द्वारा विकासनगर व्यापार मंडल के नवनियुक्त पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से संगठन के उद्देश्यों को सर्वोपरि रखते हुए पूर्ण निष्ठा, पारदर्शिता और समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया। शपथ ग्रहण करने वालों में संरक्षक पद पर डॉ. अनुपम सिंह भंडारी, अध्यक्ष पद पर मोहम्मद शोएब जलाली, वरिष्ठ महामंत्री पद पर मोहम्मद शरीफ सिद्दीकी तथा कोषाध्यक्ष पद पर मोहम्मद अकरम शामिल रहे। इसके पश्चात अमरनाथ मिश्र, देवेंद्र गुप्ता, अरविंद पाठक, इमरान कुरैशी, नितिन जैन, गोपाल दीक्षित, राकेश मिश्र (पार्षद), अजय सक्सेना, रिंकू यादव, आशीष श्रीवास्तव, परमजीत सिंह, पवन सिंह चौहान एवं आदर्श सिंह का भी सम्मान किया गया।समारोह के दौरान मुख्य अतिथि द्वारा विकासनगर व्यापार मंडल के नवनियुक्त पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से संगठन के उद्देश्यों को सर्वोपरि रखते हुए पूर्ण निष्ठा, पारदर्शिता और समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया। शपथ ग्रहण करने वालों में संरक्षक पद पर डॉ. अनुपम सिंह भंडारी, अध्यक्ष पद पर मोहम्मद शोएब जलाली, वरिष्ठ महामंत्री पद पर मोहम्मद शरीफ सिद्दीकी तथा कोषाध्यक्ष पद पर मोहम्मद अकरम शामिल रहे। इसके अतिरिक्त विभिन्न पदों पर मनोनीत अन्य पदाधिकारियों ने भी संगठन के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का संकल्प लिया।मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि व्यापारी समाज देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और हर परिस्थिति में राष्ट्र के साथ खड़ा रहता है। उन्होंने आश्वस्त किया कि व्यापारी वर्ग की समस्याओं के समाधान और उनके हितों की रक्षा के लिए हर संभव सहयोग दिया जाएगा।अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि संगठन में नए साथियों के जुड़ने से व्यापारी परिवार और अधिक सशक्त एवं संगठित हुआ है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विकासनगर व्यापार मंडल क्षेत्र के व्यापारियों की समस्याओं के समाधान, उनके अधिकारों की रक्षा तथा व्यापारिक गतिविधियों को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।समारोह के अंत में उपस्थित व्यापारियों एवं अतिथियों ने नव पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं और संगठन की मजबूती के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प दोहराया।

विकासनगर व्यापार मंडल का भव्य शपथ ग्रहण समारोह, नव पदाधिकारियों ने ली संगठन के प्रति निष्ठा की शपथ

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। विकासनगर क्षेत्र में स्थित लक्ष्मी कॉम्पलेक्स, निकट मामा चौराहा में विकासनगर, लखनऊ व्यापार मंडल का शपथ ग्रहण समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता लखनऊ व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने की। समारोह में बड़ी संख्या में व्यापारी, गणमान्य नागरिक एवं विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे, जिससे आयोजन को विशेष गरिमा प्राप्त हुई।कार्यक्रम का संचालन विशाल चौरसिया एवं एडवोकेट पान सिंह भंडारी ने संयुक्त रूप से किया। मुख्य अतिथि के रूप में युवा भाजपा नेता नीरज सिंह की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि को अंगवस्त्र, माला एवं मोमेंटो भेंट कर सम्मानित करने के

साथ हुआ।

इसके पश्चात अमरनाथ मिश्र, देवेंद्र गुप्ता, अरविंद पाठक, इमरान कुरैशी, नितिन जैन, गोपाल दीक्षित, राकेश मिश्र (पार्षद), अजय सक्सेना, रिंकू यादव, आशीष श्रीवास्तव, परमजीत सिंह, पवन सिंह चौहान एवं आदर्श सिंह का भी सम्मान किया गया।समारोह के दौरान मुख्य अतिथि द्वारा विकासनगर व्यापार मंडल के नवनियुक्त पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से संगठन के उद्देश्यों को सर्वोपरि रखते हुए पूर्ण निष्ठा, पारदर्शिता और समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया। शपथ ग्रहण करने वालों में संरक्षक पद पर डॉ. अनुपम सिंह भंडारी, अध्यक्ष पद पर मोहम्मद शोएब जलाली, वरिष्ठ महामंत्री पद पर मोहम्मद शरीफ सिद्दीकी तथा कोषाध्यक्ष पद पर मोहम्मद अकरम शामिल रहे। इसके अतिरिक्त विभिन्न पदों पर मनोनीत अन्य पदाधिकारियों ने भी संगठन के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का संकल्प लिया।मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि व्यापारी समाज देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और हर परिस्थिति में राष्ट्र के साथ खड़ा रहता है। उन्होंने आश्वस्त किया कि व्यापारी वर्ग की समस्याओं के समाधान और उनके हितों की रक्षा के लिए हर संभव सहयोग दिया जाएगा।अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि संगठन में नए साथियों के जुड़ने से व्यापारी परिवार और अधिक सशक्त एवं संगठित हुआ है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विकासनगर व्यापार मंडल क्षेत्र के व्यापारियों की समस्याओं के समाधान, उनके अधिकारों की रक्षा तथा व्यापारिक गतिविधियों को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।समारोह के अंत में उपस्थित व्यापारियों एवं अतिथियों ने नव पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं और संगठन की मजबूती के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प दोहराया।

अजित डोवाल को भी श्रेय

हिसाब से बातचीत वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल की टीम कर रही थी लेकिन श्रेय 'सबसे ऊपर से', प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को है तो उनके साथ राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल को भी श्रेय दिया जा रहा है। गोयल ने समझौते की जानकारी देने के लिए जब पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस की तो उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप के साथ अपनी दोस्ती का फायदा उठा कर भारत के लिए एक बहुत लाभकारी समझौता कराया है। सोचें, 140 करोड़ लोगों के देश की क्या हैसियत है, जब उसके प्रधानमंत्री को अपनी निजी दोस्ती के सहारे देश का काम कराना पड़ रहा है!

गोयल के इस बयान के एक दिन बाद विदेशी मीडिया समूह ब्लूमबर्ग ने एक खबर दी, जिसे भारत में बड़े पैमाने पर प्रचारित किया गया कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल पिछले साल सितंबर में अमेरिका के दौरे पर गए थे, जहां वे मार्को रूबियो से मिले। बताया गया है कि डोवाल ने रूबियो से कहा कि भारत किसी दबाव में समझौता नहीं करेगा। ब्लूमबर्ग की खबर के मुताबिक डोवाल ने कहा कि अगर जरुरत पड़ी तो भारत ट्रंप का कार्यकाल समाप्त होने तक इंतजार करेगा। खबर में यह भी बताया गया कि उससे ठीक पहले प्रधानमंत्री मोदी ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की थी। खबर के मुताबिक इससे अमेरिका दबाव में था और डोवाल की बातों ने ट्रंप प्रशासन को मजबूर किया कि वह भारत से समझौता करे।

अब चाहे 'सबसे ऊपर के' मोदी की ट्रंप से दोस्ती के कारण हुआ या एनएसए डोवाल के दबाव के कारण हुआ या भारत के 140 करोड़ लोगों के विशाल बाजार की वजह से हुआ लेकिन समझौता हुआ तो उसमें क्या प्रावधान है, क्या शर्तें हैं यह भी किसी को पता नहीं है? सब कह रहे हैं कि किसानों और पशुपालकों के हितों से कोई समझौता नहीं किया गया है। लेकिन उधर अमेरिका में एक के बाद एक मंत्रियों ने दावा किया है कि उनके कृषि उत्पादों के लिए भारत का बाजार खुल रहा है। सबसे पहले राष्ट्रपति ट्रंप के व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीयर ने कहा कि भारत में अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए बड़ा बाजार मिलेगा। इसके बाद अमेरिका की कृषि मंत्री ब्रुक रॉलिन्स ने भी कहा कि भारत का बड़ा बाजार अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए खुलेगा। भारत के बाजार में अपना माल बेचने के लिए अमेरिका में कृषि सेक्टर को और मजबूत करने की चर्चा शुरू हो गई है। इधर भारत में दूसरी ही बात कही जा रही है। इस बीच सूत्रों के हवाले से यह खबर भी आने लगी है कि भारत जेनेटिकली मोडिफायड फूड्स, सोयाबीन और गन्ना को छोड़ कर दूसरे उत्पादों के लिए कुछ ढील दे सकता है। प्रोसेस्ड फूड आइटम्स को भारत के बाजार में कम या जीरो शुल्क पर आने की मंजूरी मिल सकती है।

ट्रंप का दो टूक कहना है कि भारत अब अमेरिकी सामान पर जीरो टैरिफ लगाएगा। ट्रंप बार बार कहते रहे हैं कि दुनिया भर के देश अमेरिका से अब तक कमाई करते रहे हैं और अमेरिका घाटा उठाता रहा है। अब यह नहीं चलेगा। सो, उन्होंने इसे बदल दिया है। अब अमेरिका विदेशी व्यापार से मुनाफा कमाएगा और अब तक जो देश मुनाफा कमा रहे थे वे नुकसान उठाएंगे। जाहिर है राष्ट्रपति ट्रंप ने अपना काम कर दिया है। वे भारत को नुकसान पहुंचवाएंगे जबकि अमेरिका मुनाफा कमाएगा! इसलिए फिर सवाल है प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार को पता है व्यापार सौदे में है क्या?

स्क्रीन से रखो उतनी ही करीबी जितनी हो बहुत जरूरी

डिजिटल डिटाक्स अपनाएँ यानि स्क्रीन से थोड़े समय की नियमित दूरी बनाएं

मुकेश कुमार शर्मा

मोबाइल पर आने वाले गैर जरूरी नोटिफिकेशन को साइलेंट रखना भी बेहतर हो सकता है। इसकी शुरुआत धीरे-धीरे की जा सकती है और एक घंटे की समय सीमा को अपनी सुविधा के अनुसार धीरे-धीरे बढ़ाया भी जा सकता है।

देश और दुनिया में बढ़ती तकनीक ने जहाँ एक ओर हमें सशक्त बनाने का काम किया है वहीँ अब एक ऐसा भी वक्त आ गया है कि डिजिटल उपकरणों (स्क्रीन) ने तो हमें पूरी तरह से अपने वश में ही कर लिया है। सुबह आँख खुलने के साथ ही हम सबसे पहले अपना मोबाइल तलाशते हैं। नाश्ता करते-करते टीवी की स्क्रीन पर निगाह रखते हैं। काम पर पहुंचकर कम्प्यूटर, लैपटॉप, टैबलेट के साथ ही स्मार्टफोन की स्क्रीन पर भी निगाह होती है। यदि गंभीरता से विचार करें तो यह जरूर एहसास होगा कि इस पूरे दौरान बहुत सा ऐसा वक्त था जब स्क्रीन पर बने रहना कोई बहुत जरूरी नहीं था। डिजिटल उपकरणों खासकर सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर लगातार बने रहने की यही गुलामी विभिन्न शारीरिक समस्याओं को जन्म दे रही है, इसलिए आज की जरूरत यही है कि स्क्रीन के करीब उतनी ही देर रहा जाए, जितनी देर रहना बहुत जरूरी हो। इंसान, इंसानियत, प्रकृति, भावुकता एवं सदव्यवहार आज के नितांत आवश्यक बिंदु हैं, जो हमारी जिन्दगी को ज्यादा खुशगवार व स्वस्थ बना सकते हैं और इसके लिए आवश्यक है कि स्क्रीन से थोड़े समय की नियमित दूरी।

यदि आप भी नींद न आने की समस्या से जूझ रहे हैं, ध्यान को केन्द्रित करने में दिक्कत आ रही है, शारीरिक रूप से असहज महसूस कर रहे हैं, समय का प्रबन्धन से ठीक से नहीं कर पा रहे हैं, सामाजिक रूप से अपने को अलग-थलग महसूस कर रहे हैं तो आपको सावधान हो जाने की जरूरत है। आज के दौर में कहा जाए तो आपको डिजिटल डिटाक्स (Digital Detox) अपनाने की जरूरत है यानि नियमित रूप से एक तय समय के लिए डिजिटल उपकरणों और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों से जानबूझकर दूरी बनाने की सख्त जरूरत है। इसका कदापि यह मतलब नहीं है कि तकनीकी निर्भरता से दूर हो जाना बल्कि अनावश्यक स्क्रीन पर आँख गड़ाने से बचना है। अपनी दिनचर्या कुछ इस तरह से तय करने की जरूरत है कि हर रोज कम से कम एक घंटे का समय ऐसा जरूर हो जब हम अपने को मोबाइल, लैपटॉप और टीवी से पूरी तरह दूरी बनाकर रखें। उस कीमती समय में प्रतिदिन कुछ समय प्रकृति के साथ बिता सकते हैं, व्यायाम, ध्यान, प्राणायाम या अपनी खास रुचि का कुछ काम कर सकते हैं । समाचार पत्र, पुस्तक आदि पढ़ने की आदत विकसित कर सकते हैं। इससे जहाँ मानसिक तनाव में कमी आएगी वहीँ अच्छी नींद भी आएगी। सामाजिक और पारिवारिक रिश्तों में मजबूती आने के साथ ही मानसिक एकाग्रता भी बढ़ेगी। मोबाइल पर आने वाले गैर जरूरी नोटिफिकेशन को साइलेंट रखना भी बेहतर हो सकता है। इसकी शुरुआत धीरे-धीरे की जा सकती है और एक घंटे की समय सीमा को अपनी सुविधा के अनुसार धीरे-धीरे बढ़ाया भी जा सकता है। इसके साथ ही एक तरीका यह भी अपनाया जा सकता है कि अपने वरिष्ठों और सहयोगियों को बातचीत के दौरान यह अवगत करा सकते हैं कि कार्यालय अवधि के बाद प्रतिदिन एक निर्धारित अवधि के दौरान मोबाइल या अन्य डिजिटल उपकरणों से दूर रहने के कारण ई मेल आदि का जवाब मिलने में विलम्ब हो सकता है। इसके लिए अपने साथियों को भी प्रेरित करें कि वह भी प्रतिदिन कुछ वक्त डिजिटल उपकरणों से दूर रहकर अपनों के साथ समय व्यतीत करें या कुछ खास रूचि के कामों में अपने को व्यस्त रखें। यह मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के साथ ही जीवन शैली को संतुलित करने का भी एक एक सशक्त माध्यम बन सकता है। चिकित्सक भी सलाह देते हैं कि भोजन करते वक्त तो कम से कम स्मार्टफोन या टीवी को पूरी तरह बंद रखें और परिवार से बात करें। ऐसा करने से रिश्ते मजबूत बनते हैं और आपसी समझ बढ़ती है। इसके अलावा कोशिश करें कि घर का एक ऐसा कोना जरूर हो जो कि स्क्रीन फ्री जोन के रूप में हो, यह आपका बेडरूम या डाइनिंग एरिया भी हो सकता है। इसके अलावा स्मार्टफोन और लैपटॉप पर काम करते वक्त शरीर की सही मुद्रा का होना भी जरूरी है। स्क्रीन हमेशा आँखों के स्तर पर होनी चाहिए।

आज छोटे-छोटे बच्चों के हाथों में भी स्मार्टफोन आसानी से देखा जा सकता है। इससे उनमें शुरू से यह आदत बनती जा रही है कि मोबाइल की स्क्रीन पर कार्टून देखते हुए ही खाना खाएंगे। एक वक्त था जब मां या परिवार के बड़े-बुजुर्ग बच्चों को लोरी या कोई प्रेरणादायक कहानी सुनाते हुए खाना खिलाते थे, जिससे बच्चे का एक जुड़ाव परिवार से बनता था और उसमें उत्सुकता भी रहती थी कि फिर क्या हुआ उससे उनकी तर्क शक्ति भी बढ़ती थी। आज के समय में संयुक्त परिवार का दायरा सीमित होने के साथ ही कामकाजी माता-पिता भी बच्चों को पर्याप्त समय चाहकर भी नहीं दे पाते। ऐसे में जरूरत है कि सोशल मीडिया या टीवी सीरियल से कुछ वक्त बचाकर बच्चे को जरूर दें, कुछ उनकी सुनें और कुछ अपनी कहें। किशोर वर्ग भी मोबाइल, लैपटॉप या टैबलेट पर पढ़ाई के साथ घंटों सोशल मीडिया पर समय व्यतीत कर रहा है, जिससे आँखों को नुकसान पहुँचने के साथ ही वह अपने को घर-परिवार से भी पूरी तरह से नहीं जोड़ पा रहा है।

(लेखक पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं)

टिप्पणी

प्रकाशन के इंतजार में नरावणे की किताब

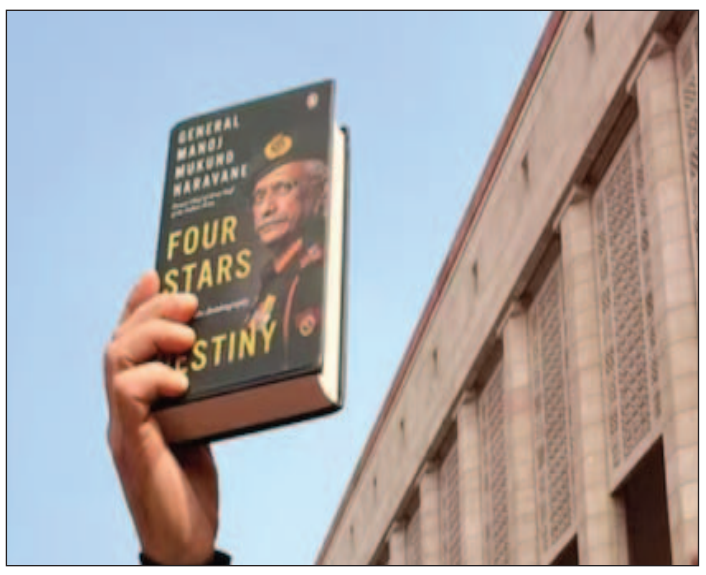

सत्ता पक्ष के मुताबिक चूंकि किताब अभी प्रकाशित नहीं हुई है, इसलिए उसमें वर्णित मामलों का उल्लेख सदन में नहीं हो सकता। मगर किताब का प्रकाशन किसने रोक रखा है? बेहतर होगा कि प्रकाशन की मंजूरी अविलंब दी जाए।

पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल मनोज मुकुंद नरावणे की किताब लगभग 21 महीनों से प्रकाशन के इंतजार में है, क्योंकि उसे केंद्र से हरी झंडी नहीं मिली है। अब उस किताब में वर्णित बातों को लेकर एक अंग्रेजी पत्रिका ने लंबी रिपोर्ट छापी है। उसमें शामिल एक प्रकरण का हवाला विपक्ष के नेता राहुल गांधी लोकसभा में देना चाहते थे। मगर सत्ता पक्ष की आपत्तियों के बीच स्पीकर ने इसकी इजाजत नहीं दी। बहरहाल, कांग्रेस ने उस पूरी रिपोर्ट को अपने सोशल मीडिया हैंडल्स पर डाल कर उसे जनमत के बड़े हिस्से तक पहुंचा दिया है। इसके मुताबिक अगस्त 2020 में रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण कैलाश रेंज की चोटी पर भारतीय फौज के नियंत्रण के बाद चीन ने हमला करने की तैयारी की थी। जब टैंकों समेत चीनी सेना की टुकड़ियां आगे बढ़ रही थीं, तब तत्कालीन सेनाध्यक्ष नरावणे ने बार-बार रक्षा मंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, और विदेश मंत्री को फोन कर जवाबी कार्रवाई के लिए निर्देश मांगे।

मगर इस पर घंटों तक टाल-मटोल की गई। आखिरकार प्रधानमंत्री से चर्चा के बाद राजनाथ सिंह ने उन्हें निर्देश दिया- जो उचित लगे, वह करें। स्पष्टतः ये प्रकरण वर्तमान सरकार की नेतृत्व क्षमता एवं संकल्प शक्ति को कठघरे में खड़ा करता है। सेना युद्ध संबंधी फौरी (टैक्टिल) फैसले ले सकती है, लेकिन ऑपरेशनल एवं रणनीतिक निर्णय लेने की स्थिति में सिर्फ राजनीतिक नेतृत्व होता है। रिपोर्ट के मुताबिक जनरल नरावणे के सामने कई कठिन प्रश्न थे। कोरोना के कारण देश अस्त-व्यस्त था, जिससे मोर्चों पर सहज सप्लाई को लेकर आशंकाएं थीं। फिर युद्ध फैलता, तो विदेश नीति एवं कूटनीति संबंधी उसके परिणामों का आकलन सरकार ही कर सकती थी। मगर उस कठिन घड़ी में केंद्र ने जिम्मेदारी सेनाध्यक्ष पर टाल दी। सत्ता पक्ष का कहना है कि चूंकि किताब अभी प्रकाशित नहीं हुई है, इसलिए उसमें वर्णित मामलों का उल्लेख सदन में नहीं हो सकता। मगर प्रश्न है कि किताब का प्रकाशन किसने रोक रखा है? सरकार के पास कुछ ढकने को नहीं है, तो बेहतर होगा कि वह तुरंत किताब प्रकाशन की मंजूरी दे, ताकि देश तत्कालीन सेनाध्यक्ष के अनुभव उनके ही शब्दों में जान सके।

ब्लॉग

विश्व-रंग: फ्रिट्ज हाबर : रासायनिक युद्ध का जनक वैज्ञानिक

डॉ. सुधीर सक्सेना

वह कुलीन यहूदी परिवार में जन्मा था। पिता नगर के धनाढ्य और गणमान्य व्यक्ति थे। वह कुल चार भाई-बहन थे। वह कुशाग्र बुद्धि था और उसमें बचपन से ही कुछ नया और अलहदा कर गुजरने की तड़प थी। पिता चाहते थे कि बेटा उनके नक्शे-पा चले, लेकिन पूत के पाँव पालने में देख उन्होंने उसकी इच्छापूर्ति में बाधा नहीं डाली।

पूरा नाम फ्रिट्ज जैकब हाबर। जन्म हुआ 9 दिसंबर, सन 1868 को उत्तरी जर्मन परिसंघ के प्रूशिया साम्राज्य के सिलेसिया प्रांत में ब्रेस्लाऊ में व्यापारिक घराने में। हैबर-परिवार ब्रेस्लाऊ के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित परिवारों में एक था। पिता सिग्फ्राइड और माँ पौला की दो ही संतानें थीं : पुत्र फ्रिट्ज और पुत्री एल्सी। पुत्र फ्रिट्ज बड़ा होकर सफल और विख्यात वैज्ञानिक बना। अपार शोहरत। अपार धन। वह गजब का कीमियागर था। फलतः उसे सन 1918 में रसायन-विज्ञान का नोबेल पुरस्कार मिला। हैबर-बॉश प्रक्रिया के लिए इस पुरस्कार मिला। उसे हैबर-बॉश प्रक्रिया के लिए इस पुरस्कार से नवाजा गया। यह प्रक्रिया रसायन-उद्योग में नाइट्रोजन और हाइड्रोजन गैस से अमोनिया के संश्लेषण में प्रयुक्त विधि है। मार्के की बात यह है कि हैबर ने अपने आविष्कार से फसलों और युद्ध का नक्शा बदल दिया। एक ओर जहां उसकी ईजाद से अन्न उत्पादन में कई गुना इजाफा हुआ, वहीं उसका आविष्कार युद्ध के मोर्चे पर फतह और अनगिन मौतों का बायस बना। उसकी वैज्ञानिक विरासत खेलों में विपुल उत्पादन से करोड़ों लोगों को भोजन मुहैया करने तक ही नहीं फैली है, बल्कि वह लाखों निर्दोषों और निरपराधों की गैस चैंबरों में मौत के जघन्य पाप तक फैली हुई है।

फ्रिटज हाबर की जीवन गाथा में नेकी और बदी की चरम इच्छाओं के उजले और स्याह धागे आपस में भी संश्लिष्ट है। उसका वैवाहिक जीवन अशांति और अनहोनी से बिंधा रहा और उसका अंत एकाकीपन में वतन से दूर हुआ। यही नहीं, उसने लानतें झेलीं और तिरस्कार भी। वह हिटलर का प्रशंसक और भक्त था तथा स्वयं को गर्व से राष्ट्रवादी जर्मन कहता था। उसने यहूदी धर्म का परित्याग कर बपतिस्मा भी ले लिया था, लेकिन नाजियों ने उसे अपना नहीं माना। विवश होकर उसे जर्मनी छोड़ना पड़ा। यही नहीं, उसने घातक रसायनों के जरिये मौत का जो खतरनाक खेल ईजाद किया था, उसकी नृशंस और वीभत्स परिणति भयावह होलोकास्ट में हुई। नाजियों ने गैस चैंबरों के जरिये लाखों यहूदियों को निर्दयतापूर्वक मौत के घाट उतार दिया।

विश्व इतिहास में चुनिंदा वैज्ञानिकों में शुमार फ्रिट्ज हाबर को केमिकल वारफेयर (रासायनिक युद्ध कर्म) के जनक के तौर पर याद किया जाता है। फ्रिट्ज के पिता का रंग-रोगन, दवा और रंगाई का कारखाना था और वह चाहते थे कि बेटा उनका कारोबार संभाले, लेकिन बेटा कीमियागर बनने को आतुर था। परिवार कर्मकांडी न होकर भी यहूदी था, लिहाजा जोहानियम स्कूल में प्राथमिक शिक्षा के बाद वह जिस सेंट एलिजाबेथ स्कूल में भर्ती हुआ, वहां प्रोटेस्टैंटों और यहूदियों के लिए पृथक कक्षाओं की व्यवस्था थी। परिवार व अन्य यहूदियों के विपरीत फ्रिट्ज स्वयं को सगर्व जर्मन दर्शाता था। वहां से निकलने पर पिता ने उसकी इच्छानुरूप उसे रसायन विज्ञान पढ़ने के लिए बर्लिन स्थित फ्रैड्रिख विल्हेम यूनिवर्सिटी में भेज दिया। पहले सेमिस्टर की हताशा उसे सन 1887 की ग्रीष्म में हाइडेलबर्ग विश्वविद्यालय ले गयी, जहां उसे राबर्ट बुन्सेन ने पढ़ाया। वहां से वह बर्लिन लौटकर टेक्नीशे होष्शूले शार्लोटेन्बर्ग में भर्ती हुआ। सन 1889 में सैन्य नोंदणी के बाद वह छठवीं फील्ट आर्टिलरी रेजीमेंट में एक वर्ष की वालंटियर सेवा में भर्ती हो गया। एक साल बाद वह शार्लोटेन्बर्ग लौटा और कार्ल लीबरमान का शिष्यत्व ग्रहण कर लिया। कार्ल के कार्बनिक रसायन के लेक्चरों के साथ-साथ वह रंगों की रसायन प्रौद्योगिकी पर आटो बिट्ट के लेक्चर भी अटेन्ड करता था। लीबरमैन द्वारा प्रदत्त विषय पर गहन शोध के फलस्वरूप उसे मई, 1891 में यूनिवर्सिटी ऑफ बर्लिन से डॉक्टरेट की उपाधि मिल गयी।

इस तरह रसायनज्ञ होकर फ्रिट्ज घर लौट आया, किंतु घर में सब सुकर न था। पिता और उनके रिश्तों में खटास थी और इसकी खासी वजह थी। हुआ यह कि फ्रिट्ज के जन्म पर पौला को प्रसव में परेशानी हुई। फलतः तीन हफ्ते बाद उसने प्राण त्याग दिये। मातृहीन फ्रिट्ज को चाचियों ने पाला। फ्रिट्ज जब छह वर्ष का हुआ, उसके व्यथित पिता ने दूसरी शादी कर ली। हेडविग हैम्बरगर से उसे तीन बेटियां हुईं। फ्रिटज का जन्म और पत्नी की मौत का संदर्भ सिग्फ्राईड कभी भुला नहीं सके। फ्रिट्ज ने विमाता और बहनों से किसी तरह पटरी बिठाये रखी। रिश्ते कैसे भी रहे हों, उसे पिता के रसूख का खूब लाभ मिला। उनकी बदौलत उसे बड़े कारखानों और आसवनी में काम का मौका मिला। पिता की मनुहार कर वह एक सेमेस्टर के लिए ज्यूरिख के पॉलीटेक्नीक कॉलेज में जार्ज लुंग के साथ अध्ययन हेतु भर्ती हो गया। वहां से लौटकर पिता के काम में हाथ बँटाने वह ब्रेस्लाऊ लौटा, लेकिन पिता-पुत्र के रिश्तों में बल पड़ते गये। पिता को पुत्र का प्राकृतिक के बजाय कृत्रिम रंगों के इस्तेमाल का सुझाव फला, किंतु हैजे की महामारी पर थोक में कैल्शियम हाइपोक्लोराइट खरीदने से हुये नुकसान से पुत्र को पिता ने घर से रूख्सत कर दिया।

पिता से विच्छेद के बाद उसकी नयी पारी शुरू हुई। वह स्वयं को यहूदी कम, जर्मन अधिक मानता था। सन 1892-94 के दरम्यान वह जेना विश्वविद्यालय में लुडविग नॉर का सहायक रहा। इसी दरम्यान वह यहूदी से ईसाइयत के लूथर संप्रदाय में दीक्षित हुआ। मकसद था बेहतर करियर। लुडविग ने उसकी सिफारिश काल्सरूहे विश्वविद्यालय में कार्ल एंग्लर से की और कार्ल ने हैंस बुन्हे से, जिसने उसे अपना सहायक बना लिया। वहीं उसने हाइड्रोकार्बनों की पुनर्वास थीसिस प्रस्तुत की। इस पर उसे अध्ययन का दायित्व मिला और संस्थान ने रंगरेजी की प्रौद्योगिकी के अध्ययन हेतु उसे बाहर भेजा। विद्युत रासायनिकी के उच्च अध्ययन और शोध के लिये वह एक बार फिर बाहर गया। अध्ययन और अनुसंधान तथा ख्याति का यह क्रम चलता रहा। वह असोशियेट प्रोफेसर बना और ग्रांड ड्यूक फ्रेडरिख वॉन बाडेन ने उसे एक्स्ट्राऑर्डिनेरियस से विभूषित किया। जल्द ही वह कार्ल्सरूहे में भौतिक रसायन का प्रोफेसर बन गया। सन 1894 से सन 1911 के दरम्यान लगातार प्रयोगों के बाद उसने उच्च दाब और ताप से अमोनिया के उत्प्रेरकीय-निर्माण में सफलता अर्जित की, जिससे सन 1894 में प्रस्तुत ली शतेलिये के सिद्धांत पुष्टि हुई। अमोनिया के बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए उसने बास्फ के कार्ल बाश से भागीदारी की। नतीजा सार्थक रहा। औद्योगिक रसायन में हाबर-बॉश प्रक्रिया मील का पत्थर मानी गई। अब तक कृषि उत्पादन प्राकृतिक अमोनिया पर निर्भर था, कृत्रिम अमोनिया के उत्पादन ने उर्वरक-परिदृश्य को बदल दिया। अन्न उत्पादन में क्रांति हुई। अनुमान है कि इससे विश्व की आधी आबादी को भूख से निजात मिली। आज संश्लेषित नत्रजन-उर्वरकों का उत्पादन 100 मिलियन टन से ज्यादा है। विश्व की आधी से अधिक आबादी के लिए अन्न उत्पादन इन्हीं उर्वरकों पर अवलंबित है और यह हाबर-बॉश प्रक्रिया से संभव हो सका है।

यह है हाबर के व्यक्तित्व का सकारात्मक पहलू, लेकिन उसके व्यक्तित्व का एक और विलोम पहलू भी है। इसी की बदौलत उसे रासायनिक युद्धकर्म का जनक कहा जाता है। फ्रिटज को प्रथम विश्वयुद्ध में क्लोरीन और जहरीला गैसों को आयुध के तौर पर इस्तेमाल का श्रेय जाता है। उसने पहले पहल वायु से गुरू (भारी) क्लोरीन का लाम पर उपयोग की पहल की। यप्रेस की दूसरी जंग में फ्रेंच और अल्जीरियाई सैनिकों ने खंदकों का अलंध्य मोर्चा बांध रखा था। जर्मन फौजों ने क्लोरीन के गोले छोड़कर दुश्मन को मात दे दी। भारी क्लोरीन से खंदकें ढंक गयी और फौजियों का दम घुट गया। फ्रिट्ज के इस हथियार का दुश्मन के पास कोई जवाब नहीं था। यह मत सोचिये कि विश्वयुद्ध में यह वैज्ञानिक प्रयोगशाला तक सीमित रहा। प्रथम विश्वयुद्ध छिड़ने पर उत्साहपूरित फ्रिट्ज अक्टूबर, 1914 में उस मैनीफेस्टो पर दस्तखत करने वाले 92 जर्मन बुद्धिजीवियों में एक था, जिसने स्कूलों और कॉलेजों में युद्धोन्माद पैदा किया। वह सन 1907 के हेग कन्वेंशन की रसायनों के युद्ध में उपयोग की वर्जनाओं को धता बताने वालों में अग्रणी था। लैब में बैठने के बजाय वह फौज में शरीक होकर मोर्चे पर जा पहुंचा और उसने रासायनिक हमले का उत्साहपूर्वक संचालन किया। मोर्चे पर फतहयाब होने पर उसे कैप्टेन के तौर पर प्रोन्नत कर युद्ध मंत्रालय में रसायन विभाग का मुखिया बना दिया गया। बेल्जियम में यप्रेस की जंग में उसकी संलिप्तता का आभास इससे लगाया जा सकता है कि मोर्चे पर मौजूदगी के अलावा उसने इस अभियान के लिए 150 से अधिक वैज्ञानिकों और 1300 तकनीशियनों का टोला तैयार किया। ओट्टो पीटरसन की कमान में गैस युद्ध के लिए जिन दो रेजीमेंटों की भर्ती हुई, उसके परामर्शदाता हाबर और आटो हान थे। यही नहीं, हाबर ने विशेष फिल्टरयुक्त मास्क बनाने में भी अहम भूमिका निभायी, जिनसे जहरीली गैसों से बचा जा सकता था। उसने वह हाबर नियम भी प्रतिपादित किया, जिसमें जहरीली गैसों की सांद्रता और उनकी मारक क्षमता व समय में गणितीय संबंध दर्शाया गया था। उसकी मान्यता थी कि शांति के समय वैज्ञानिक विश्व का होता है, लेकिन युद्ध के दौरान वह राष्ट्र का होता है। उसका कहना था कि मौत तो मौत है। विषाक्त गैसों की युद्ध में हिमायत करते हुए उसने लोहे के उड़ते टुकड़ों (गोलियों) के मुकाबले जहरीलों गैसों को कम निर्दय बताया। उसका तर्क था कि विषाक्त गैस से मृत्यु जल्द होती है और पीड़ा कम। रसायन को मौत का परवाना बनाने का हाबर का खौफनाक खेल यहीं खत्म नहीं होता। उसके कीमिया ने रसायन से मौत का रास्ता खोल दिया। उसका काम जाइक्लोन बी कीटनाशक विकसित करने का आधार बना। इसका इस्तेमाल होलोकास्ट में हुआ। इससे गैस चैम्बरों में दूसरे विश्वयुद्ध में लाखों यहूदी मारे गये। हाबर की जहरीली सोच के साथ उसके दांपत्य-जीवन का त्रासद प्रसंग भी जुड़ा हुआ है। सन 1889 में हाबर की मुलाकात क्लारा इम्मवाहर से हुई, जो एक शक्कर कारखाने के मालिक रसायनज्ञ की बेटी थी। क्लारा ब्रेस्लाऊ विश्वविद्यालय से केमिस्ट्री में पीएचडी पहली महिला थी। उसने भी 1897 में बपतिस्मा ले लिया था। अगस्त, 1901 में हाबर और क्लारा भी शादी हुई और अगले ही वर्ष पुत्र हर्मन का जन्म हुआ।

'एक ही कमरे में ठहरेंगे हम 8 लोग...'

मना किया तो होटल मैनेजर को 40 बार बेल्ट से पीटा, CCTV में कैद झांसी की खौफनाक वारदात

आर्यावर्त संवाददाता

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी से गुंडागर्दी की एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जिसने कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। शराब के नशे में धुत कुछ युवकों ने मामूली बात पर एक होटल मैनेजर को इस कदर पीटा कि देखने वालों की रूह कांप गई। नवाबाद थाना क्षेत्र के जेल चौराहा स्थित होटल विकास में हुई यह वारदात अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है।

घटना 15 फरवरी की रात करीब 10:20 बजे की है। होटल मालिक घनेंद्र सिंह ठाकुर (निवासी टीकमगढ़) के अनुसार, उनका होटल पिछले 7 महीनों से संचालित हो रहा है। उस रात 7-8 युवक होटल पहुंचे और कमरा बुक करने की मांग की। विवाद तब शुरू हुआ जब युवकों ने 'एक ही कमरे' में सभी 8 लोगों को ठहराने की जिद की। मैनेजर ने नियमों का हवाला देते हुए बताया कि एक कमरे में इतने लोग नहीं रुक सकते, उन्हें दो कमरे लेने होंगे जिसका कुल किराया 1600 रुपये होगा। बस, इतनी सी बात उन युवकों को इस कदर तक चुभ गई कि उन्होंने गाली-गलौज शुरू कर दी।

CCTV में कैद हुआ 2 मिनट का तांडव

होटल में लगे सीसीटीवी कैमरे में 1 मिनट 59 सेकंड का खौफनाक फुटेज रिकॉर्ड हुआ है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि युवक किस कदर आपा खो चुके थे। उन्होंने मैनेजर को जमीन पर गिरा दिया और अपनी बेल्ट निकालकर उस पर पिल पड़े। प्रत्यक्षदर्शियों और होटल मालिक का दावा है कि मैनेजर पर करीब 40 बेल्टें बरसाई गईं। जब होटल के दो अन्य कर्मचारी बीच-बचाव करने आए, तो दबंगों ने उन्हें भी लात-घूंसों से जमकर पीटा। हद तो तब हो गई जब एक युवक काउंटर पर चढ़ गया और सबूत मिटाने की नीयत से पत्थर मारकर सीसीटीवी कैमरा तोड़ने की कोशिश करने लगा, हालांकि तब तक उनकी पूरी करतूत कैद हो चुकी थी।

तीन आरोपियों को किया गया गिरफ्तार

वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। नवाबाद थाना प्रभारी रवि श्रीवास्तव ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्रवाई की गई है और 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनका शांतिभंग में चालान किया गया है। हालांकि, होटल मालिक ने अभी तक औपचारिक लिखित तहरीर नहीं दी है। पुलिस का कहना है कि शिकायत मिलते ही आरोपियों पर संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

3 बच्चों की मां 4 बच्चों के बाप के साथ फरार, पति ने लगाई न्याय की गुहार

आर्यावर्त संवाददाता

अंबेडकरनगर। उत्तर प्रदेश के अंबेडकरनगर जिले के रामपुर सकरवारी गांव में एक महिला अचानक लापता हो गई थी। उसके लापता होने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। लापता होने वाली महिला तीन बच्चों की मां है। वो अपने साथ दो बच्चों को लेकर घर से चली गई, जबकि तीसरा बच्चा घर पर ही रह गया। घटना के बाद से परिवार में बेचैनी और गांव में तरह-तरह की चर्चाएं तेज हो गई हैं।

पीड़ित पति परेशान है और उसने दूसरे मर्द के उसके रिश्ते में घुसने की बात बताई है। पति के मुताबिक, मालीपुर गांव का रहने वाला जितेंद्र नाम का व्यक्ति पहले से उनके घर आता-जाता था। घर निर्माण के दौरान उसकी पहचान परिवार से हुई थी।

संजय का आरोप है कि एक फरवरी को किसी बात को लेकर घर में तीखा विवाद हुआ। झगड़े के बाद उसकी पत्नी घर से निकल गई और उसी दिन जितेंद्र भी अपने घर से गायब हो गया। इसके बाद से दोनों का कोई सुराग नहीं मिला है। संजय ने बताया कि कई दिनों तक अपने स्तर पर खोजबीन करने के बाद भी जब पत्नी और बच्चों का पता नहीं चला तो उन्होंने 3 तारीख को बेवाना थाना में शिकायत दर्ज कराई। उनका कहना है कि वे लगातार पुलिस से कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

पुलिस ने मामले में गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी के अनुसार, संभावित स्थानों पर तलाश की जा रही है और संबंधित लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा। जानकारी के मुताबिक, भागने वाली महिला 3 बच्चों की मां है और जिस व्यक्ति के साथ वो भागी है वो 4 बच्चों का पिता है। ऐसे में पूरे इलाके में ये मामला चर्चा का विषय बना हुआ है।

चमक-दमक से दूर विराट-अनुष्का, वृंदावन में भक्तों संग बैठे ; संत प्रेमानंद के सत्संग में दिखी अनोखी सादगी

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली और उनकी पत्नी, बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा एक बार फिर आध्यात्मिक नगरी वृंदावन पहुंचे। इस बार उनकी यात्रा पहले की तरह निजी मुलाकात तक सीमित नहीं रही बल्कि वे हजारों श्रद्धालुओं के बीच सामान्य भक्त की तरह सत्संग में शामिल होते नजर आए। जानकारी के अनुसार, विराट और अनुष्का ने बिना किसी विशेष प्रोटोकॉल के संत प्रेमानंद महाराज के प्रवचन स्थल पर पहुंचकर साधारण श्रद्धालुओं के बीच बैठकर सत्संग सुना। इससे पहले वे संत महाराज से एकांतिक वार्तालाप के माध्यम से शांत वातावरण में मिलते रहे हैं, लेकिन इस बार उन्होंने सार्वजनिक सत्संग में भाग लिया। बताया जा रहा है कि इस दौरे की सूचना स्थानीय पुलिस को पूर्व में नहीं दी गई थी। हालांकि उनके आगमन की चर्चा धीरे-धीरे श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों के बीच फैल गई, जिसके बाद सत्संग स्थल पर उत्सुकता और भी बढ़ गई। इसके बावजूद दंपति ने पूरी सादगी और संयम बनाए रखा। सत्संग के दौरान संत प्रेमानंद महाराज ने 'दीक्षा' और 'शरणागति' के बीच के अंतर पर विस्तार से प्रकाश डाला। विराट और अनुष्का ध्यानपूर्वक प्रवचन सुनते दिखाई दिए।

दीवानी न्यायालय उड़ाने की धमकी से दहशत

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। दीवानी न्यायालय को मंगलवार दोपहर बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। जिला जज की आधिकारिक ईमेल आईडी पर प्राप्त संदेश में 17 फरवरी को दोपहर 1 बजे से 2 बजे के बीच गेट नंबर 1 के पास सिविल कोर्ट और पुलिस लाइन को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। जिसमें लिखा था- पांच से छह मोबाइल नंबरों पर एक-एक लाख रुपये भेजा जाए। नहीं तो कोर्ट को बम से उड़ा दिया जाए। जिसमें सूचना पर जज ने न्यायालय परिसर खाली कराने के निर्देश दिए। जिसके बाद बार एसोसिएशन अध्यक्ष की मदद से परिसर को एहतियातन खाली करा लिया गया। मामला शहर कोतवाली क्षेत्र का है। पूर्वान्ह 10:30 बजे जिला जज सुशील कुमार शशि को एक ई-मेल प्राप्त हुआ, जिसमें पांच से छह मोबाइल नंबरों पर एक-एक लाख रुपये भेजने की मांग की गई थी। ई-मेल में चेतावनी दी गई थी कि निर्धारित समय के भीतर रकम नहीं भेजी गई

तो न्यायालय परिसर को बम से उड़ा दिया जाएगा।धमकी की सूचना मिलते ही जिला जज ने तत्काल प्रशासनिक आदेश जारी कर न्यायालय परिसर खाली कराने के निर्देश दिए। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सुभाष चन्द्र यादव को बुलाकर स्थिति से अवगत कराया गया। इसके बाद अधिवक्ताओं और वादकारियों से परिसर खाली करने की अपील की गई। सहयोग के साथ पूरे न्यायालय परिसर को एहतियातन खाली करा लिया गया। जिला न्यायाधीश ने सभी न्यायिक अधिकारियों को निर्देश दिया कि अधिवक्ताओं एवं वादकारियों की अनुपस्थिति में कोई प्रतिकूल आदेश पारित न किया जाए। पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने बताया कि पुलिस की आधिकारिक ई-मेल पर भी इसी प्रकार की धमकी प्राप्त हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट हो गया। न्यायालय परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सघन तलाशी अभियान चलाया गया। बम निरोधक और डॉग स्क्वाड की टीमों को मौके पर तैनात किया गया है।पुलिस अधीक्षक ने बताया कि एहतियातन पूरे परिसर को खाली कराया गया है और पर्याप्त पुलिस बल तैनात कर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि अन्य जिलों में भी इस प्रकार की धमकी भरे ई-मेल मिलने की सूचनाएं हैं। इसको लेकर न्यायालय परिसर में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल रहा। हालांकि प्रशासन का कहना है कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और सुरक्षा के सभी आवश्यक कदम उठाए जा चुके हैं। जांच एजेंसियां ई-मेल की सत्यता और स्रोत का पता लगाने में जुटी हुई हैं।

एस पी ने किया बन्धुआकला थाने पर औचक निरीक्षण, माफियाओं पर सख्त कार्रवाई के दिए निर्देश

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। पुलिस अधीक्षक चारू निगम ने थाना बन्धुआकला का औचक निरीक्षण कर पुलिस महकमे में हड़कंप मचा दिया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने महिला हेल्प डेस्क, कार्यालय अभिलेख, हवालात, रिसेप्शन रूम,पुलिस मैस व थाना परिसर का बारीकी से जायजा लिया।एसपी ने महिला हेल्प डेस्क पर पहुंचकर पीड़िताओं की शिकायतों के त्वरित निस्तारण और फीडबैक व्यवस्था की समीक्षा की।मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को जागरूक करने और उनकी शिकायतों पर निष्पक्ष व प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।टॉप 10 अपराधियों व हिस्ट्रीशीटर्स की निगरानी की स्थिति की समीक्षा करते हुए एसपी ने शराब,खनन व भू-माफियाओं के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए।अपराध रजिस्टर व त्योहार रजिस्टर का अवलोकन कर आवश्यक सुधार करने को कहा।

प्यार कच्चा घड़ा नहीं होता, कोई छोटा बड़ा नहीं होता

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। संस्था कोशिश के वार्षिक समारोह के अवसर पर तिलकधारी महिला कॉलेज परिसर में कवि सम्मेलन एवं मुशायरा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का श्री गणेश दीप प्रजनन एवं डॉ. नरेंद्र पाठक द्वारा सरस्वती वंदना से हुआ। अध्यक्षता वरिष्ठ शायर अहमद निसार ने किया, जबकि डॉ. अरुण कुमार सिंह पूर्व प्राचार्य टी.डी. कॉलेज समारोह में मुख्य अतिथि रहे। प्रारंभ में कोशिश संस्था द्वारा प्रकाशित मंजरी नामक काव्य संग्रह का विमोचन किया गया, जो उपस्थित श्रोताओं के लिए कौतूहल का विषय रहा। कवि जनार्दन प्रसाद अस्थाना के कहानी संग्रह प्रायश्चित एवं आनंद राय द्वारा रचित रूठ गया स्नेहल संचित मन नामक काव्य संग्रह का भी विमोचन हुआ। आमंत्रित कवियों एवं उपस्थित श्रोताओं का स्वागत प्रो. आर. एन. सिंह ने किया। संस्था के उद्देश्यों पर संस्था अध्यक्ष जनार्दन प्रसाद अस्थाना ने प्रकाश डाला एवं अतिथियों के सम्मान में अशोक कुमार मिश्रा ने अपने उद्गार व्यक्त किया। वरिष्ठ जनों डा. एम. पी. सिंह, डॉ. एस. बी. सिंह, डा. अंबिकेश्वर सिंह, डॉ. राम मोहन सिंह, डॉ, ओम प्रकाश सिंह, डॉ, अजय कुमार दुबे, रामकृष्ण त्रिपाठी एवं पूर्व विधायक सुरेंद्र सिंह आदि को सम्मानित भी किया गया।प्रारंभिक सत्र के पश्चात गीत, गजल एवं कविताओं का जो प्रवाह प्रारंभ हुआ वह सायंकाल तक चलता रहा। मिर्जापुर से पधारे लल्लू तिवारी का शेर प्यार कच्चा घड़ा नहीं होता, कोई छोटा बड़ा नहीं होता, पर खूब तालियां बजी। मऊ से पधारे कवि डॉ. ईश्वर चंद्र त्रिपाठी की रचना श्जीत जाता हूं हार जाता हूं , रोज करने शिकार जाता हूं, सुनकर पूरा हाल वाह- वाह करता रहा। मुक्तेश्वर पाराशर की पंक्तियां श्अकेली यात्राओं में भी मन के गीत पाएंगेश, लोगों को खूब पसंद आई। सांप्रदायिक सौहार्द पर पुष्पेंद्र अस्थाना की रचना श्यूं तो जन्नत नहीं जहन्नुम मिलेगा तुमको, नाम मजहब के खून बहाने वालोंश, बहुत सराही गई। लोकगीतों के महाकवि जगदीश पंथी ने जब कहां की श्बड़ा निक लागे ननद तोरा गंवुआं, तो पूरा सभागार मस्ती में झूम उठा और तालियां की गड़गड़ाहट से पूरा हाल गूंजता रहा। प्रो. अनूप वशिष्ठ का शेर , बड़े दिख रहे हैं वे कंधों पर चढ़कर, जो सचमुच बड़े हैं वो झुक कर खड़े हैंश, लोगों के मन को छू गया और और बड़े ही सहज भाव में बड़प्पन को रेखांकित किया।

पोस्टर प्रतियोगिता के जरिए दिए डायरिया से बचाव के संदेश

उच्च प्राथमिक विद्यालय हुसैनगंज में पोस्टर व क्विज प्रतियोगिता आयोजित

आर्यावर्त संवाददाता

सीतापुर। जनपद के उच्च प्राथमिक विद्यालय हुसैनगंज में मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में "डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम के तहत पोस्टर और क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गयी। डायरिया के प्रति जागरूकता के लिए आयोजित प्रतियोगिता में 61 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया, जिसमें कक्षा-आठ की सरिता पहले, कक्षा-सात के अंशुराज दूसरे और कक्षा-आठ की जीनत तीसरे स्थान पर रहीं। कक्षा-छह की जैनब को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया।

प्रतियोगिता का आयोजन पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू के सहयोग से किया गया। पोस्टर प्रतियोगिता और क्विज प्रतियोगिता के माध्यम से रोटा वायरस, साफ सफाई, ओआरएस और जिंक की महत्ता को दर्शाया गया।

इस मौके पर छात्र-छात्राओं को डायरिया रोकथाम और प्रबन्धन के बारे में विस्तार से बताया गया। क्विज और पोस्टर के जरिए डायरिया से बचाव के जरूरी सन्देश दिए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य रत्नेश मिश्रा ने कहा कि डायरिया की चपेट में कई कारणों से बच्चे आ सकते हैं, जैसे- दूषित जल पीने से, दूषित हाथों से भोजन बनाने या बच्चे को खाना खिलाने, खुले में शौच करने या बच्चों के मल का ठीक से निस्तारण न करने आदि से। इसलिए शौच और बच्चों का मल साफ़ करने के बाद, भोजन बनाने और खिलाने से पहले हाथों को साबुन-पानी से अच्छी तरह अवश्य धुलें। डायरिया के दौरान ओआरएस से शरीर में पानी की कमी को रोकें।

इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग से प्रभारी चिकित्सा अधिकारी नगरीय स्वास्थ्य केंद्र सदर डॉ. शानू वर्मा ने कहा कि टीकाकरण सारणी के अनुसार बच्चों को सारे टीके लगवाएं और रोटावायरस, विटामिन ए को लेना न भूलें। भोजन को ढककर रखें ताकि मक्खियाँ उस पर न बैठें। जिंक की खुराक को दस्त ठीक होने के बाद भी 14 दिनों तक जारी रखें। पीने के पानी को साफ़ रखें और पीने के पानी को निकालने के लिए डंडीदार लोटे का प्रयोग करें। छह माह से छोटे बच्चों को दस्त होने पर भी स्तनपान जारी रखना चाहिए।

जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारी कैलाश नाथ मिश्रा ने ओआरएस व जिंक और विटामिन-ए के महत्व के बारे में बताया। इस मौके पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से शिवकांत-समन्वयक राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम, क्षेत्रीय एएनएम मीना और पीएसआई इंडिया से कमलेश कुमार, अश्वनी कुमार मिश्रा एवं संतोषी गुप्ता, अध्यापिका नेहा श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

छह दिन बाद निकलनी थी युवक की बारात, मौत से घर में मातम... हत्या या आत्महत्या में उलझी कहानी

आर्यावर्त संवाददाता

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जनपद से एक सनसनीखेज खबर सामने आई है, जहां सोमवार सुबह घर से मॉर्निंग वॉक पर निकला एक युवक लौटकर घर नहीं पहुंचा। इसके बाद सड़क किनारे युवक की खून से लथपथ लाश पुलिस ने बरामद की।बताया जा रहा है कि छह दिन बाद युवक की बारात जानी थी, लेकिन उससे पहले ही उसकी मौत से खुशियों के घर में मातम फैल गया।

नई मंडी कोतवाली क्षेत्र के पचेण्डा रोड पर पुलिस को आज लगभग 30 वर्षीय युवक की खून से लथपथ लाश मिली। मृतक युवक का हाथ चाकू से कटा हुआ था। लाश के पास से एक चाकू भी पुलिस ने बरामद किया है। मृतक के पास से आधार कार्ड मिलने पर उसकी पहचान बच्चन सिंह कॉलोनी निवासी मोनू कुमार के रूप में हुई। इसके बाद पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और घटना की जानकारी परिजनों को दी।मृतक युवक मोनू की छह दिन बाद बारात जानी थी, लेकिन उससे पहले ही उसकी मौत से परिवार में मातम छा गया। परिजनों का आरोप है कि मोनू की हत्या की गई है। साथ ही मृतक के परिजनों ने पुलिस पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि जब लाश सड़क किनारे से बरामद हुई, तब उन्हें इसकी सूचना नहीं दी गई।

उनका कहना है कि पोस्टमार्टम के लिए शव भेजने के बाद उन्हें फोन कर जानकारी दी गई, जिससे परिवार में रोष है। मृतक मोनू के परिजनों ने बताया कि वह प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था और रोज सुबह दौड़ लगाने के लिए निकलता था। लेकिन आज की घटना से परिवार में कोहराम मच गया।

इस घटना के बारे में अधिकारियों का कहना है कि प्रथम दृष्टया घटनास्थल का मुआयना करने पर मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा था, क्योंकि मृतक युवक के हाथ की नस कटी हुई थी और पास में चाकू पड़ा था। हालांकि बड़ा सवाल यह है कि अगर मोनू को आत्महत्या ही करनी थी तो वह घर से बाहर क्यों गया? बहरहाल, घटना के पीछे की सच्चाई जानने के लिए पुलिस हर पहलू पर जांच कर रही है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए सीओ नई मंडी राजू कुमार साव ने बताया कि सुबह करीब 8 बजे पुलिस को सूचना मिली कि जनता इंटर कॉलेज, पचेण्डा रोड स्थित रजवाहे की पुलिया पर एक व्यक्ति मृत अवस्था में पड़ा है। उसके हाथ की नस कटी हुई थी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और फील्ड यूनिट टीम को भी बुलाया गया। शव पर बाएं हाथ में चोट और नस कटी हुई मिली। दाएं हाथ की ओर खून के छींटे थे और पास में चाकू रखा था।

प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या जैसा प्रतीत होता है, लेकिन सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। मृतक की पहचान मोनू कुमार पुत्र शिवकुमार, निवासी बच्चन सिंह कॉलोनी के रूप में हुई है। वह रोज सुबह 3:15 बजे के आसपास पानी की बोतल लेकर दौड़ने जाता था। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की भी जांच कर रही है।

वहीं मृतक के पिता शिवकुमार ने बताया कि मोनू रोज की तरह सुबह 3 से 3:30 बजे के बीच घर से निकला था। वह ठेले पर काम करने चले गए थे। बाद में पुलिस की सूचना पर उन्हें घटना की जानकारी मिली। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें पहले जानकारी नहीं दी गई और मर्चरी में बुलाकर औपचारिकताएं पूरी कराई गईं। उन्होंने बताया कि मोनू की शादी अलमासपुर में तय थी और परिवार न्याय की मांग कर रहा है।

15 साल का रिलेशन, एक कार के अंदर खत्म... क्या शादी के लिए सुमित-रेखा ने जान दे दी? सामने आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। नोएडा सेक्टर-107 में वैलेंटाइन डे के दिन एक कार के अंदर युवक और युवती की लाश मिली थी। पुलिस मामले की जांच-पड़ताल में जुटी थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद यह साफ हुआ कि दोनों की मौत सिर में गोली लगने से हुई थी। दोनों को गोली बेहद नजदीक से मारी गई थी। घटना 14 फरवरी की दोपहर करीब 12:30 बजे सामने आई, जब सफाई कर्मचारियों ने सड़क किनारे खाली टाटा अल्ट्रोज कार में दोनों को खून से लथपथ हालत में देखा। युवक के दाएं हाथ में पिस्टल थी। उन्होंने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शीशा तोड़कर शवों को बाहर निकाला।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, घटनास्थल से पिस्टल और कारतूस बरामद किए गए हैं। दोनों के मोबाइल फोन फ्लाइट मोड पर मिले, जिन्हें फॉरेंसिक जांच के लिए लैब भेज दिया गया। DCP जमुना प्रसाद ने बताया कि मोबाइल डाटा इस पूरे मामले की गुत्थी सुलझाने में अहम भूमिका निभा सकता है। वहीं फॉरेंसिक टीम ने कार से फिंगरप्रिंट, ब्लड के सैंपल और अन्य साक्ष्य जुटाए। अब तक की जांच में कार के अंदर किसी तरह की हाथापाई के निशान नहीं मिले हैं। इससे प्रथम दृश्य मामला आत्महत्या का लग रहा है, लेकिन पुलिस हत्या के एंगल से भी जांच कर रही है। पुलिस जांच में सामने आया कि युवक और युवती एक-दूसरे को करीब 15 साल से जानते थे। दोनों के बीच लंबे समय से प्रेम संबंध था। युवक दिल्ली के त्रिलोकपुरी का रहने वाला था। वहीं कारोबार करता था, जबकि युवती नोएडा के सेक्टर 58 थाना क्षेत्र इलाके की निवासी थी। वह सेक्टर-62 में एक निजी कंपनी में नौकरी करती थी। दोनों एक दिन पहले इलेक्ट्रॉनिक सिटी मेट्रो स्टेशन पर साथ देखे गए थे। इसके बाद दोनों नोएडा और दिल्ली में घूमते रहे। बाद में दोनों ने अपने-अपने मोबाइल फोन फ्लाइट मोड पर कर दिए थे।

DCP जमुना प्रसाद ने बताया कि जांच के दौरान यह भी सामने आया कि दोनों शादी करना चाहते थे, लेकिन युवती के परिवार की ओर से सहमति नहीं मिल रही थी। जानकारी में जातिगत मतभेद की भी बात सामने आई है। वहीं पुलिस दोनों परिवारों से असली वजह का पता लगाने के लिए पूछताछ कर रही है। साथ ही कॉल डिटेल और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की जांच की जा रही है। फिलहाल दोनों परिवार के लोगों ने उनका अंतिम संस्कार कर दिया है। घटना के बाद सुमित की कुछ वॉट्सऐप चैट वायरल हुई थी, जिसमें उसके भाई और रेखा के मोबाइल फोन पर मैसेज मृतक सुमित द्वारा किए गए थे। उसने एक सुसाइड नोट भी लिखा था, जिसमें उसने लिखा था कि, "मेरी मौत की जिम्मेदार सिर्फ रेखा होगी।" इस बीच यह भी बात सामने आई कि रेखा का भाई उसे रेखा से संबंध तोड़ने की लगातार धमकी भी दे रहा था। वॉट्सऐप पर मैसेज भेजकर कई बार माफी भी मांगी थी।

बिना एक्सरसाइज किए घटाना चाहते हैं वजन, तो आज से ही रखें इन 4 बातों ख्याल

वजन घटाने के लिए लोग तरह-तरह एक्सरसाइज का सहारा लेते हैं लेकिन कुछ लोग बिना कसरत या मेहनत किए ही वजन घटाने की कोशिशों में लगे रहते हैं। अगर आप भी उन्हीं में से हैं तो ये आर्टिकल आप ही के लिए है। यहां हम बताएंगे कि एक्सरसाइज के अलावा ऐसे कौन-से तरीके हैं जिनकी मदद से वेट लॉस में काफी फायदा पाया जा सकता है।

इस बात में कोई शक नहीं, कि वजन घटाने के लिए वर्कआउट काफी जरूरी होता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि बिना एक्सरसाइज के भी खानपान और रहन-सहन से जुड़ी कुछ बातों का ध्यान रखकर वेट लॉस को आसान बनाया जा सकता है? जी हां, अगर दिनभर की भागदौड़ और काम के बाद अगर आपको भी वर्कआउट के लिए समय नहीं मिल पाता है या थकान के चलते शरीर में इतनी एनर्जी नहीं बचती है, तो परेशान मत होइए, क्योंकि आप इस आर्टिकल में बताई इन 4 बातों का ख्याल रखकर वेट लॉस में फायदा पा सकते हैं। आइए जानें।

अनहेल्दी चीजों से बनाएं दूरी

वेट लॉस के लिए जरूरी है, कि आप सबसे पहले अनहेल्दी चीजों से खुद को दूर रखें। तला-भुना या प्रोसेस्ड फूड खाने के बजाय आप हेल्दी फ्रूट्स और वेजिटेबल्स को अपनी डाइट में शामिल करें। इनमे मौजूद फाइबर से आपका पेट भी काफी देर भरा रहेगा और जल्दी-जल्दी भूख भी नहीं लगेगी।

स्ट्रेस न लें

तनाव यानी स्ट्रेस भी आपके बढ़ते वजन के पीछे एक बड़ी भूमिका निभाता है। बता दें, कि इससे शरीर में शरीर में हार्मोन का बैलेंस खराब हो जाता है और किसी काम में मन नहीं लगने के कारण और ओवरईटिंग का शिकार हो जाते हैं। इसलिए चिंता या तनाव से जितना हो सके, दूर ही रहें।

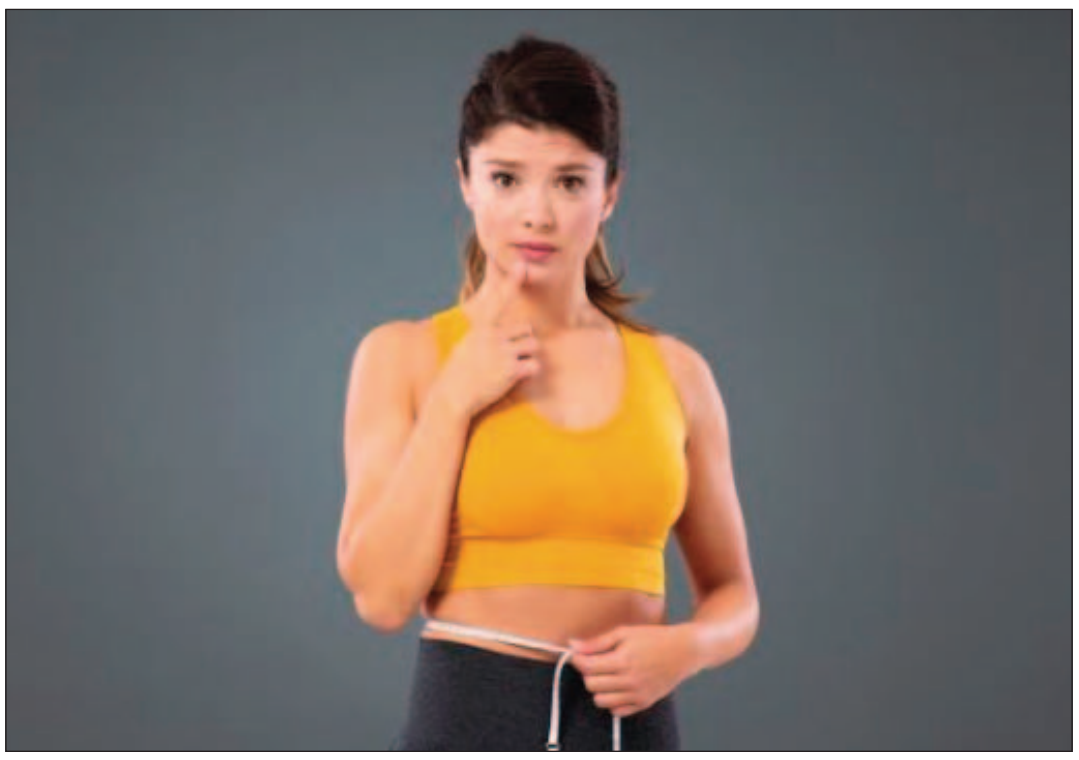

स्नैक्स में हेल्दी खाएं

वजन बढ़ने के पीछे इस बात का भी बड़ा रोल होता है कि आप स्नैक्स में क्या खाते हैं। अगर आप भी इस दौरान बिस्कुट, चिप्स या अन्य प्रोसेस्ड चीजों का सहारा लेते हैं, तो इसे तुरंत छोड़ दें। इसकी जगह आप ड्राई फ्रूट्स और नट्स का सेवन कर सकते हैं।

चीनी कम खाएं

मीठा खाना कई लोगों को पसंद होता है, लेकिन बता दें कि ये आपके वजन को बढ़ाने में बड़ा रोल निभाता है। ऐसे में, अगर आपको भी यह आदत है, तो इस बात का ध्यान रखें कि जितना हो सके, आप डाइट से चीनी को हटा दें। इससे फैट बर्न में काफी मदद मिलती है।

घर की बालकनी और बगीचे को फूलों से सजाना है, तो लगा लें ये पौधे, हर मौसम में रहते हैं खिले-खिले

अगर आपको बागबानी का शौक है तो अपने गार्डन में आपको कुछ ऐसे पौधे लगाने चाहिए जो सालों साल हरे-भरे रहें और आपकी बालकनी फूल से रंग-बिरंगी नजर आए। इसलिए हम कुछ ऐसे पौधों के बारे में बताने वाले हैं जिन्हें आप आसानी से अपने घर की बालकनी और लॉन में उगा सकते हैं। इन्हें उगाने में ज्यादा मेहनत भी नहीं लगती है। आइए जानें इनके बारे में।

छत हो, बालकनी हो या फिर लॉन हो यहां लगे फूल हर किसी को अपनी तरफ आकर्षित करते हैं। ऐसे में अगर अन जगहों पर लगे फूल अगर हर मौसम में खिलने वाले हो, तो घर की शोभा हमेशा ही बढ़ी रहती है। हर प्लांट लवर अपने घर के गार्डन को अपने मन मुताबिक सजाता है, फूलों से लदे पौधों को घर का हिस्सा बनाता है। अक्सर लोग ऐसे लोगों के गार्डन देखकर बहुत खुश होते हैं और चाहते हैं कि उनके गार्डन में भी इस तरह के फूल लगाएं। यदि आप भी चाहते हैं कि आपका गार्डन भी फूलों से भरा हुआ हो, तो हर मौसम में खिलने वाले कुछ फूल के पौधों के बारे में जान सकते हैं।

रंगून क्रीपर (मधुमालती)

मधुमालती नाम से जाना जाने वाला रंगून क्रीपर पौधा दक्षिण पूर्व एशिया का मूल निवासी है। इसका सफेद, गुलाबी, लाल, मैरून कलर और मीठी खुशबू तितलियों को अपनी तरफ आकर्षित करती हैं। यह पौधा साल के 365 दिन खिलने वाला पौधा है, जिसका उपयोग आयुर्वैदिक औषधियों के रूप में भी किया जाता है।

पीस लिली

ये सफेद, गुलाबी या फिर पीले रंग वाले फूल सबके मन को लुभाते हैं। इस पौधे का उपयोग गार्डेनिंग के क्षेत्र में प्राचीन काल से ही वायु को शुद्ध करने, शांति और सुंदरता को बढ़ाने के लिए किया जाता है। यह कम रख रखाव के साथ गमलों में हर मौसम उगाया जाने वाला पौधा है।

मैरीगोल्ड (गेंदा)

पीले, नारंगी और चमकीले रंग के फूलों वाला गेंदे का पौधा हर मौसम आपके गार्डन की खूबसरती को बढ़ाता है। इसलिए आप इनसे अपने गार्डन की शोभा बढ़ाने के लिए लगा सकते हैं।

बेगोनिया

छाया में पनपने वाले इस पौधे को बालकनी में लटकती हुई टोकरियों या फिर कंटेनरों में उगाया जा सकता है। यह पूरे साल खिला रहता है।

पेरीविंकल (सदाबहार)

इस पौधे को भारत में सदाबहार के नाम से जाना जाता है। बारहों महीने खिलने वाले सदाबहार के पौधे को हर जलवायु में आसानी से उगाया जा सकता है। इस पौधे का डायबिटीज और ब्लड प्रेशर के आयुर्वैदिक उपचार में उपायोग काफी लाभदायक होता है।

एलिसम्स

छोटी फूलों के गुच्छों वाले ये पौधे अपनी मीठी सुगन्ध और रंगों से गार्डन की शोभा को बढ़ाते हैं। ये बहुतायत से खिलते हैं और क्यारियों में खाली जगह को भरने का काम करते हैं।

डरपोक बनते हैं बच्चे अगर बचपन में हो जाए इन हालातों का सामना

बच्चे तो लगभग हर नए अनुभव से आमतौर पर डरते हैं। ये एक नेचुरल प्रक्रिया है, लेकिन जब बच्चे अधिक डरपोक बनने लगें, उनका आत्मविश्वास हिलने लगे, वे नए अनुभव और नए माहौल से दूर भागने लगें, तब ये चिंता का विषय बन सकता है। समय रहते इन बातों पर ध्यान दिया जाए तो बच्चे बोल्ड और हिम्मती बनते हैं, लेकिन इनकी अनदेखी उन्हें डरपोक बना सकती है। आइए जानते हैं कि कैसे बच्चे बनते हैं डरपोक-

पेरेंट्स में एंजाग्यटी देखने वाले

जब पेरेंट्स खुद ही एंजाग्यटी से गुजर रहे हों, तो वे बच्चे को खुश और हिम्मती नहीं बना सकते हैं। इसलिए प्रोडक्टिव बनने के लिए पहले पेरेंट्स को ही सेल्फ केयर या मी टाइम निकाल कर खुश और स्वस्थ बनना चाहिए। एंजाग्यटी से पाले गए बच्चे में भी एंजाग्यटी के लक्षण दिखाई दे सकते हैं और फिर ऐसे बच्चे कमजोर और डरपोक बनते जाते हैं।

पेरेंट्स से कनेक्शन टूटने पर

जब पेरेंट्स अपने बच्चे से अच्छे से कनेक्ट नहीं करते हैं, पेरेंट्स बात-बात पर टोकते हैं, तो बच्चे अपनी बातें पेरेंट्स के अलावा किसी और से शेयर करने लगते हैं, जिसका फायदा बाहरी उठा सकते हैं। ऐसे बच्चे भी डरपोक होते जाते हैं और अपने पेरेंट्स से ही खुल कर बात करने में डरते हैं।

कोई बुरा अनुभव झेलने वाले

बच्चे जब जीवन में किसी ऐसे बुरे दौर या अनुभव से गुजरते हैं, जो उनकी उम्र के लिए बहुत ज्यादा होता है, तो उनके दिल और दिमाग में एक डर सा बैठ जाता है। ये अनुभव किसी प्रकार का एब्यूज हो सकता है या फिर किसी अपने को खोने का दर्द भी हो सकता है।

हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग से गुजरने वाले

जब पेरेंट्स बच्चे की हर सांस पर नजर रखते हैं और उन्हें गाइड करते रहते हैं, उन्हें रिस्क नहीं लेने देते, सारे कठिन काम खुद ही आसान बना देते हैं, तो ऐसे बच्चे की मानसिकता पेरेंट्स पर निर्भर होने वाली हो जाती है। ये कोई भी नया काम शुरू करने में डरते हैं या फिर किसी भी नई जगह या नए लोगों से मिलने में डरते हैं। इन्हें ऐसी स्थिति को हैंडल करने का सही तरीका ही नहीं सिखाया जाता है, जिसके कारण ये डरपोक बनते जाते हैं।

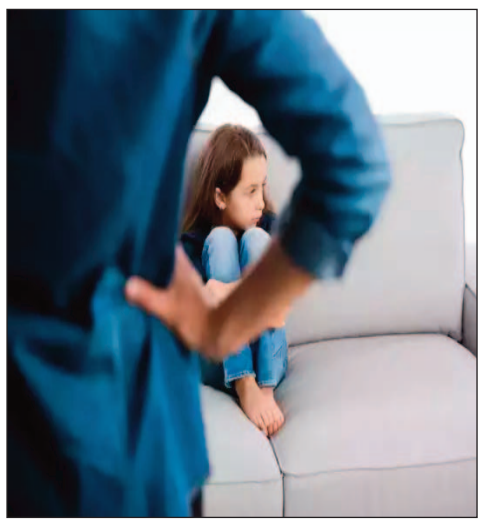

अगर बंद हो गया है आपका पीपीएफ खाता तो इन तरीकों से कर सकते हैं उसे दोबारा शुरू

पीपीएफ फंड में हर महीने में कर्मचारी एक निश्चित राशि निवेश करते हैं। इस फंड में निवेश राशि पर सरकार द्वारा ब्याज दिया जाता है। इसके अलावा इसमें टैक्स बेनिफिट का लाभ भी मिलता है। पीएफ अकाउंट में अगर एक पूरे वित्त वर्ष में न्यूनतम राशि जमा न की जाए तो अकाउंट इन-एक्टिव हो जाता है। चलिए इस आर्टिकल में जानते हैं कि पीएफ अकाउंट को दोबारा एक्टिव कैसे करें।

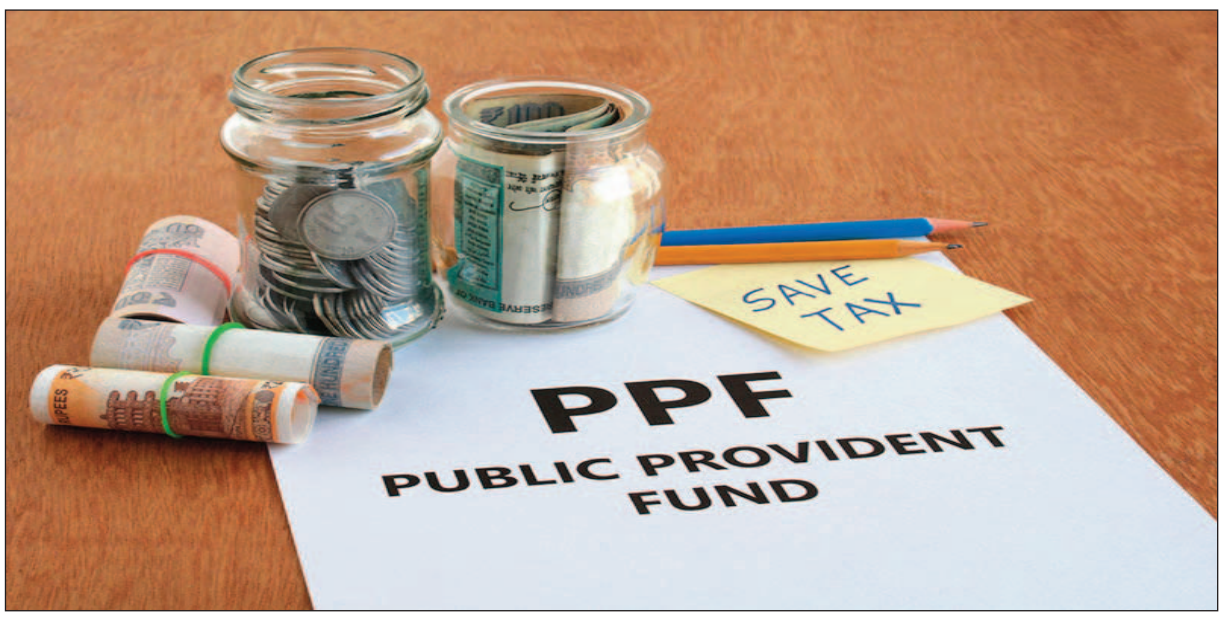

सरकार ने कर्मचारियों के लिए कर्मचारी भविष्य निधि शुरू किया है। इस फंड में कर्मचारी हर महीने अपनी सैलरी का एक निश्चित हिस्सा डालते हैं। इस स्कीम में निवेश राशि पर सरकार द्वारा ब्याज का लाभ दिया जाता है। इस स्कीम में कंपाउंडिंग ब्याज का लाभ मिलता है।

इसके अलावा इनकम टैक्स एक्ट 80C के तहत टैक्स बेनिफिट का लाभ दिया जाता है। इस योजना के जरिये कर्मचारी 15 साल निवेश में अच्छी खासी राशि जोड़ लेते हैं। यह फंड रिटायरमेंट के बाद इनकम जारी रखने के लिए काफी मददगार होता है। इस फंड में कम से कम 500 रुपये और 1.5 लाख रुपये तक का निवेश किया जा सकता है।

अगर कोई निवेशक इस फंड में एक पूरे वित्त वर्ष में कोई योगदान नहीं करता है तो उनका अकाउंट इनएक्टिव हो जाएगा। पीएफ फंड को एक्टिव करने के लिए निवेशक को कम से कम एक साल में 500 रुपये का योगदान देना होता है। अगर आपका पीएफ अकाउंट (PF Account) इनएक्टिव हो जाता है तो आप इसे दोबारा शुरू कर सकते हैं। चलिए, जानते हैं कि इसका पूरा प्रोसेस क्या है?

पीएफ अकाउंट को दोबारा एक्टिव कैसे करें

अकाउंट को दोबारा शुरू करने के लिए आपको बैंक या पोस्ट ऑफिस जाना होगा।

अब आपको अकाउंट को एक्टिव करने के लिए एक लिखित आवेदन देना होगा।

इसके अलावा आपको साल के हिसाब से न्यूनतम राशि के साथ 50 रुपये का डिफॉल्ट फीस जमा करना होगा। उदाहरण के तौर पर अगर पीएफ अकाउंट 3 साल से बंद पड़ा है तो आपको 1,500 रुपये न्यूनतम और 150 रुपये जुर्माना देना होगा।

इसके बाद आपका अकाउंट दोबारा शुरू हो जाएगा।

पीपीएफ के फायदे

इस स्कीम का लाभ कोई भी भारतीय निवासी ले सकते हैं।

इसमें निवेशक को फ्लेक्सिबिलिटी का फायदा मिलता है।

पीपीएफ अकाउंट में जमा राशि पर आप 25 फीसदी का लोन ले सकते हैं।

पीपीएफ फंड में निवेशक को टैक्स बेनिफिट का लाभ मिलता है।

पीपीएफ फंड को सरकार द्वारा डायरेक्ट मैनेज किया जाता है।

यूपीआई से लेनदेन में बढ़त के बाद भी देश में तेजी से बढ़ रहा मुद्रा का चलन, सर्कुलेशन 40 लाख करोड़ रुपए पहुंचा : रिपोर्ट

मुंबई, एजेंसी। देश में करेंसी सर्कुलेशन जनवरी 2026 के अंत तक बढ़कर रिकॉर्ड 40 लाख करोड़ रुपए के करीब पहुंच गया है। इसमें सालाना आधार पर 11.1 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 5.3 प्रतिशत थी। यह जानकारी सोमवार को जारी हुई एक रिपोर्ट में दी गई।

एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट में बताया गया कि जनता के पास करेंसी (सीडब्ल्यूपी) की हिस्सेदारी कुल करेंसी सर्कुलेशन में 97.6 प्रतिशत (करीब 39 लाख करोड़ रुपए) हो गई है।

रिपोर्ट में बताया गया कि देश में यूपीआई के कारण डिजिटल लेनदेन तेजी से बढ़ा है और इससे कैश-टू-जीडीपी रेश्यो में बड़ी गिरावट देखने को मिली है।

रिपोर्ट के मुताबिक,देश में एक महीने में होने वाले यूपीआई लेनदेन की वैल्यू करीब 28 लाख करोड़ रुपए है, जो कि देश के कुल करेंसी स्टॉक का करीब 70 प्रतिशत है, जो कि दिखाता है कि देश में बड़ी संख्या में लोग डिजिटल पेमेंट्स का इस्तेमाल कर रहे हैं।

वहीं, देश का कैश-टू-जीडीपी रेश्यो वित्त वर्ष 26 में कम होकर 11 प्रतिशत हो गया है, जो कि वित्त वर्ष 21 में 14.4 प्रतिशत पर था।

रिपोर्ट में कहा गया है, करेंसी और जीडीपी में परिवर्तन की दिशा भले ही एक जैसी हो, लेकिन जीडीपी की वृद्धि को अब नकदी के बजाय यूपीआई के माध्यम से अधिक हो रही है।

सीआरआर में कटौती के कारण चालू वित्त वर्ष में आरबीआई के पास बैंकर्स डिपॉजिट में 1.86 लाख करोड़ रुपए की कमी आई, जिसके परिणामस्वरूप रिजर्व मनी की वृद्धि घटकर 5.8 प्रतिशत रह गई।

एसबीआई रिसर्च की एक हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2015 से वित्त वर्ष 2025 के बीच बैंकों में जमा और ऋण लगभग तीन गुना बढ़ गए, जो बैंकिंग प्रणाली के सुदृढ़ीकरण और ऋण मध्यस्थता में सुधार का संकेत है। वित्त वर्ष 2015 से वित्त वर्ष 2025 के दौरान जमा राशि 85.3 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 241.5 लाख करोड़ रुपए हो गई और ऋण 67.4 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 191.2 लाख करोड़ रुपए हो गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि बैंकों की परिसंपत्ति वृद्धि दर वित्त वर्ष 2025 तक जीडीपी के 77 प्रतिशत से बढ़कर 94 प्रतिशत हो गई, जो वित्तीय सुदृढ़ीकरण में सुधार को दर्शाती है।

ओपेनएआई ने बंद किया जीपीटी-4 मॉडल, दुनिया भर में यूजर्स कर रहे विरोध

नई दिल्ली, एजेंसी। सैम ऑल्टमैन द्वारा संचालित ओपेनएआई ने अपने चैटजीपीटी ऐप से जीपीटी-4श एआई मॉडल को हटा दिया है। इस फैसले के बाद दुनिया भर में कई यूजर्स, खासकर चीन में, काफी भावुक हो गए हैं। वायर्ड की एक रिपोर्ट के अनुसार, कई लोग इस चैटबॉट को सिर्फ एक टूल नहीं बल्कि अपना इमोशनल या रोमांटिक साथी मानते थे।

अगस्त 2025 में ओपेनएआई ने पहली बार जीपीटी-4श मॉडल को बंद करने की कोशिश की थी। यह वही मॉडल था जिसे कई यूजर्स उसके बाद आए नए वर्जन से ज्यादा प्यार भरा और समझदार मानते थे। जब कंपनी ने इसे हटाने की घोषणा की, तो तुरंत विरोध शुरू हो गया।

विरोध के बाद ओपेनएआई ने जीपीटी-4श को दोबारा ऐप में पेड यूजर्स के लिए उपलब्ध करा दिया था। लेकिन यह राहत ज्यादा समय तक नहीं रही। 13 फरवरी को कंपनी ने फिर से जीपीटी-4श को ऐप से हटा दिया और रिपोर्ट के मुताबिक आने वाले सोमवार से डेवलपर्स के लिए भी इसकी एपीआई एक्सेस बंद कर दी जाएगी।

सिराक्यूज यूनिवर्सिटी की शोधकर्ता हुईकियान लाई ने अगस्त में जब यह मॉडल पहली बार ऑफलाइन हुआ था, तब एक्स (पहले ट्विटर) पर लगभग 1,500 पोस्ट का विश्लेषण किया। उन्होंने पाया कि 33 प्रतिशत से ज्यादा पोस्ट में लोगों ने चैटबॉट को सिर्फ एक टूल नहीं, बल्कि कुछ खास बताया। वहीं 22 प्रतिशत पोस्ट में इसे एक साथी (कंपैनियन) की तरह बताया गया।

लाई ने अगस्त से अक्टूबर के बीच प्तकीप4श हैशटैग के साथ किए गए 40,000 से ज्यादा अंग्रेजी पोस्ट भी इक_ा किए। चेंज.ओआरजी पर जीपीटी-4श को वापस लाने की मांग करते हुए एक याचिका भी शुरू की गई, जिस पर 20,000 से ज्यादा लोगों ने हस्ताक्षर किए हैं।

चीन में भी जीपीटी-4श के कई समर्पित यूजर्स एकजुट होकर दुख जाहिर कर रहे हैं। हालांकि चीन में चैटजीपीटी ब्लॉक है, फिर भी कई लोग वीपीएन के जरिए इसका इस्तेमाल करते हैं।

'दुनिया-यूएन के एजेंडे में भारत का स्थायी योगदान बहुत महत्वपूर्ण', AI समिट से पहले बोले एंटोनियो गुटेरेस

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है कि दुनिया और संयुक्त राष्ट्र के एजेंडे में भारत का स्थायी योगदान बहुत ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि आज दुनिया में भारत जैसे उभरते देशों की भूमिका लगातार बढ़ रही है और यह एक सकारात्मक बड़ा ट्रेंड है। एंटोनियो गुटेरेस के अनुसार, भारत अब संयुक्त राष्ट्र की लगभग हर बड़ी चर्चा में एक अहम नेता बन गया है। इसमें शांति-सुरक्षा, सतत विकास और मानवाधिकार जैसे मुद्दे शामिल हैं। उन्होंने खास तौर पर भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान लिए गए फैसलों की तारीफ की। उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया के कई हिस्सों में लोकतंत्र कमजोर हो रहा है, लेकिन भारत एक मजबूत लोकतांत्रिक देश के रूप में खड़ा है।

एंटोनियो गुटेरेस के अनुसार, भारत अब संयुक्त राष्ट्र की लगभग हर बड़ी चर्चा में एक अहम नेता बन गया है। इसमें शांति-सुरक्षा, सतत विकास और मानवाधिकार जैसे मुद्दे शामिल हैं। उन्होंने खास तौर पर भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान लिए गए फैसलों की तारीफ की। उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया के कई हिस्सों में लोकतंत्र कमजोर हो रहा है, लेकिन भारत एक मजबूत लोकतांत्रिक देश के रूप में खड़ा है।

यूएन शांति मिशनों में भारत का योगदान

संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख ने भारत को धन्यवाद देते हुए कहा, करीब 5000 भारतीय सैनिक और पुलिसकर्मी यूएन शांति मिशनों में तैनात हैं। भारत ने 2007 में लाइबेरिया में पूरी तरह महिला पुलिस यूनिट भेजी थी- जो यूएन इतिहास में एक बड़ी उपलब्धि थी। यह कदम लैंगिक समानता की दिशा में बहुत महत्वपूर्ण माना गया।

दुनिया की बदलती आर्थिक ताकत

एंटोनियो गुटेरेस ने एक बड़ा ट्रेंड बताया- जिसमें जी7 जैसे विकसित देशों का वैश्विक अर्थव्यवस्था में हिस्सा धीरे-धीरे घट रहा है। वहीं भारत जैसे उभरते देशों का हिस्सा तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि इससे भविष्य में ज्यादा न्याय, समानता और शांति वाली दुनिया बनने की संभावना बढ़ेगी।

संयुक्त राष्ट्र में सुधार की जरूरत

यूएन महासचिव ने आगे कहा- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का ढांचा पुराना और कुछ हद तक अनुचित है। इसमें सुधार जरूरी है ताकि दुनिया की नई वास्तविकताओं को सही प्रतिनिधित्व मिल सके। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि यूएन केवल सुरक्षा परिषद नहीं है-193 सदस्य देशों वाली महासभा में सभी देशों की बराबर आवाज है।

भारत दौरे पर आएंगे गुटेरेस

एंटोनियो गुटेरेस जल्द ही भारत आएंगे और इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में शामिल होंगे। वे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात करेंगे। इस दौरान वे एआई, ऊर्जा परिवर्तन और नवीकरणीय ऊर्जा पर बैठकों में भाग लेंगे। उन्होंने भारत को नवीकरणीय ऊर्जा में वैश्विक नेता भी बताया।

ईरान-अमेरिका बातचीत पर राष्ट्रपति ट्रंप ने दी चेतावनी, बोले- डील नहीं हुई तो होंगे गंभीर नतीजे

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका और ईरान के बीच जिनेवा में होने वाली बातचीत को वे समर्थन देते हैं और खुद भी अप्रत्यक्ष रूप से इसमें जुड़े रहेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस बार दोनों देश किसी समझौते पर पहुंच सकते हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि ईरान बहुत सख्त बातचीत करने वाला देश है, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि वह इस बार ज्यादा समझदारी दिखाएगा। उन्होंने साफ चेतावनी दी कि अगर समझौता नहीं हुआ, तो इसके गंभीर नतीजे हो सकते हैं। ट्रंप का दावा है कि अगर अमेरिका ने हाल में सैन्य कार्रवाई न की होती, तो ईरान एक महीने में परमाणु हथियार बना सकता था। यह बातचीत मुख्य रूप से इन मुद्दों पर हो रही है। इसमें ईरान का परमाणु कार्यक्रम, पश्चिम एशिया में तनाव, अमेरिका के प्रतिबंध शामिल हैं। पहले भी कई बार बातचीत हुई, लेकिन या तो समझौते टूट गए या सिर्फ अस्थायी समाधान निकल पाया। इस दौरान अर्थव्यवस्था पर बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिका में महंगाई बहुत कम है। उन्होंन पेट्रोल की कीमत कई जगह 2 डॉलर प्रति गैलन से कम बताई। वहीं अपराध के मुद्दे पर उनका दावा है कि अमेरिका में हत्या के मामले 1900 के बाद सबसे कम हैं। जबकि सीमा सुरक्षा पर उन्होंने कहा कि हजारों अवैध प्रवासियों को देश से वापस भेजा गया है।

राजनीति और अन्य अंतरराष्ट्रीय मुद्दे

राष्ट्रपति ट्रंप ने सरकारी फंडिंग विवाद के लिए डेमोक्रेट्स को जिम्मेदार बताया। वहीं वोटर आईडी पर भी उन्होंने विपक्ष पर धोखाधड़ी चाहने का आरोप लगाया। ट्रंप ने इस दौरान क्यूबा से बातचीत जारी होने की बात कही। वहीं चीन के राष्ट्रपति से बातचीत के बाद ताइवान पर जल्द फैसला लेने की बात कही।

अमेरिका-ईरान विवाद की शुरुआत कैसे हुई?

पहले ईरान में अमेरिका-समर्थित राजा (शाह) था। 1979 में इस्लामिक क्रांति हुई और नई सरकार बनी जो अमेरिका के खिलाफ थी। सबसे बड़ा टकराव तब हुआ जब ईरानी छात्रों ने अमेरिकी दूतावास पर कब्जा कर लिया। इस दौरान 52 अमेरिकी लोगों को 444 दिन तक बंधक रखा। यहीं से दोनों देशों के रिश्ते बहुत खराब हो गए।

परमाणु विवाद क्यों शुरू हुआ?

2000 के बाद अमेरिका को शक हुआ कि ईरान गुप्त रूप से परमाणु हथियार बना रहा है। हालांकि, ईरान कहता है कि उसका परमाणु कार्यक्रम सिर्फ बिजली और शांति के कामों के लिए है। वहीं अमेरिका कहता है कि उसे डर है कि ईरान परमाणु बम बना सकता है। इस कड़ी में 2015 में अमेरिका - यूरोप और ईरान के बीच बड़ी डील हुई। इस डील के मुताबिक, ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को सीमित करेगा और अमेरिका आर्थिक प्रतिबंध हटाएगा।

ट्रंप ने डील क्यों तोड़ी?

जब ट्रंप पहली बार राष्ट्रपति बने, तब उन्होंने कहा यह खराब समझौता है। 2018 में अमेरिका डील से बाहर निकल गया। इसके बाद अमेरिका ने ईरान पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए, दोनों देशों के रिश्ते फिर बहुत खराब हो गए।

सबसे बड़ा तनाव, आज की स्थिति

2020 में अमेरिका ने ईरान के टॉप जनरल कासिम सुलेमानी को ड्रोन हमले में मार दिया। इसके बाद दोनों देशों में युद्ध जैसे हालात बन गए थे। अभी हालात ऐसे हैं, ईरान परमाणु कार्यक्रम तेजी से बढ़ा रहा है। अमेरिका डरता है कि ईरान परमाणु हथियार बना सकता है, कई बार बातचीत शुरू हुई लेकिन पूरी डील नहीं हो पाई। इसी वजह से अब जेनेवा में फिर से बातचीत हो रही है।

'80 साल की दोस्ती, 75 साल का गठबंधन', इंडो-पैसिफिक पर बनी सहमति, रिश्तों में अब नई मजबूती

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और फिलीपींस ने अपनी ऐतिहासिक साझेदारी को एक बार फिर मजबूत करने का एलान किया है। संयुक्त राज्य अमेरिका और फिलीपींस के वरिष्ठ अधिकारियों ने मनीला में आयोजित 12वीं द्विपक्षीय सामरिक वार्ता के दौरान रक्षा, आर्थिक और समुद्री सहयोग को और गहरा करने पर सहमति जताई।

यह बैठक दोनों देशों के बीच 80 साल के कूटनीतिक संबंध और 75 साल पुराने गठबंधन की वर्षगांठ के मौके पर हुई। फिलीपींस 2026 में आसियान (ASEAN) का अध्यक्ष भी होगा, जिससे इस साझेदारी का क्षेत्रीय महत्व और बढ़ गया है।

दोनों देशों ने 1951 की पारस्परिक रक्षा संधि के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। संयुक्त बयान में स्पष्ट किया गया कि यह संधि प्रशांत

क्षेत्र में किसी भी सशस्त्र हमले की स्थिति में दोनों देशों की सेनाओं, विमानों और सरकारी जहाजों यहां तक कि कोस्ट गार्ड पर भी लागू होगी। दक्षिण चीन सागर में बढ़ते तनाव के बीच इस संधि का महत्व और बढ़ गया है। बयान में समुद्री मार्गों की स्वतंत्रता और अंतरराष्ट्रीय कानून के सम्मान पर जोर दिया गया।

दक्षिण चीन सागर पर चीन को संदेश

संयुक्त बयान में चीन की अवैध, आक्रामक और दबावपूर्ण गतिविधियों की आलोचना की गई और कहा गया कि इससे क्षेत्रीय शांति और स्थिरता प्रभावित हो रही है। दोनों देशों ने इंडो-पैसिफिक में मुक्त, खुला और सुरक्षित क्षेत्र बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराई। साथ ही यह भी कहा गया कि प्रथम द्वीप श्रृंखला में सामूहिक रक्षा किसी भी आक्रामकता को रोकने के लिए जरूरी है।

सैन्य सहयोग और नई तैनाती

अमेरिका और फिलीपींस ने 2026 में पांचवीं टू प्लस टू मंत्री स्तरीय वार्ता आयोजित करने का फैसला किया है। दोनों पक्षों ने संयुक्त सैन्य क्षमता और आपसी तालमेल बढ़ाने, अत्याधुनिक मिसाइल और मानवरहित प्रणालियों की तैनाती बढ़ाने तथा साइबर सुरक्षा सहयोग मजबूत करने पर सहमति जताई। इसके अलावा जापान के साथ विदेश मंत्रियों स्तर की त्रिपक्षीय वार्ता भी प्रस्तावित है, जिससे क्षेत्रीय रणनीतिक संतुलन को नई दिशा मिल सकती है।

आर्थिक सुरक्षा भी राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा

बैठक में आर्थिक सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला को राष्ट्रीय सुरक्षा का अभिन्न हिस्सा बताया गया। दोनों देशों ने लूजोन इकोनॉमिक कॉरिडोर में निवेश बढ़ाने और 2026 में मनीला में पहला निवेश फोरम आयोजित करने की घोषणा की। परिवहन, लॉजिस्टिक्स, ऊर्जा और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में निजी निवेश को बढ़ावा देने पर भी सहमति बनी। साथ ही सुरक्षित और मानक-आधारित क्रिटिकल मिनरल्स सप्लाई चेन विकसित करने का संकल्प लिया गया।

परमाणु और स्वास्थ्य सहयोग

नागरिक परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में अमेरिका ने 15 लाख डॉलर की सहायता की घोषणा की है, जिसके तहत फिलीपींस में स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआर) कंट्रोल रूम सिम्युलेटर विकसित किया जाएगा। इसके अलावा अमेरिका ने फिलीपींस की स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए 250 मिलियन डॉलर की प्रतिबद्धता भी दोहराई। संयुक्त बयान में ताइवान जलडमरूमध्य में शांति और स्थिरता के महत्व को रेखांकित किया गया। साथ ही किसी भी देश की क्षेत्रीय अखंडता के खिलाफ बल प्रयोग का विरोध किया गया।

भारत और इंडो-पैसिफिक के लिए क्या मायने?

अमेरिका-फिलीपींस गठबंधन में बढ़ती सक्रियता को भारत सहित अन्य इंडो-पैसिफिक साझेदार ध्यान से देख रहे हैं। समुद्री सुरक्षा, सप्लाई चेन विविधीकरण और आसियान की भूमिका क्षेत्रीय रणनीतिक संतुलन के केंद्र में हैं। स्पष्ट है कि इंडो-पैसिफिक अब वैश्विक शक्ति संतुलन का अहम मंच बन चुका है, जहां अमेरिका अपने सहयोगियों के साथ रक्षा और आर्थिक साझेदारी को नए स्तर पर ले जाने में जुटा है।

अजित पवार विमान दुर्घटना का गहराता रहस्य, संजय राउत का दावा- जल गया ब्लैक बॉक्स, हादसा या साजिश?

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने मंगलवार को महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की 28 जनवरी को हुई विमान दुर्घटना को लेकर पवार परिवार के संदेह का समर्थन करते हुए विमान के जले हुए ब्लैक बॉक्स की स्थिति को रहस्यमय और बेहद गंभीर बताया। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में राउत ने कहा कि अजित पवार की फ्लाइट का ब्लैक बॉक्स जल गया है, जिससे पवार परिवार के संदेह की पुष्टि हुई और सरकार द्वारा जांच के संचालन पर सवाल उठे।

संजय राउत ने कहा कि रोहित पवार उसी परिवार के सदस्य हैं, वे तकनीकी मामलों को समझते हैं। अजित पवार की दुर्घटना के बारे में सामने आ रहे रहस्यमय तथ्य बेहद गंभीर हैं। ब्लैक बॉक्स जल गया है... 20 साल बाद भी ब्लैक बॉक्स मिल गया है, लेकिन अजित पवार की फ्लाइट का ब्लैक बॉक्स जल गया है। यह कैसे संभव हो सकता है? अगर रोहित पवार ने यह मुद्दा उठाया है, तो यह गंभीर है, और अगर पवार परिवार इसकी जांच करना चाहता है, तो उन्हें ऐसा करना चाहिए। इस मामले में सरकार की मंशा सही नहीं है।

राउत की ये टिप्पणियां राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद पवार) के नेता रोहित पवार के हालिया आरोपों के बाद आई हैं, जिसमें उन्होंने बारामती लेयरजेट 45 दुर्घटना को महज एक हादसा न मानकर साजिश का मुद्दा बताया था। इस दुर्घटना की जांच विमानन अधिकारियों द्वारा जारी है। बारामती विमान दुर्घटना पर प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए उन्होंने कहा कि पूरा महाराष्ट्र यह सवाल उठा रहा है कि अजित दादा का विमान हादसा एक हादसा था या साजिश? मैं आप सभी के साथ अपने विचार साझा कर रहा हूं। कुछ लोग अब भी दादा के कहीं से आने की उम्मीद कर रहे हैं। कुछ लोग कहते हैं कि विमान में 6 लोग थे, वह अजित दादा का शव नहीं था, यह अब भी किसी बुरे सपने जैसा लगता है।

रोहित पवार ने महाराष्ट्र में इन घटनाओं के इर्द-गिर्द व्याप्त संदेह, शोक और राजनीतिक साजिश के माहौल पर प्रकाश डाला। उन्होंने दुर्घटना की जांच का जिक्र करते हुए एक किताब का हवाला दिया, जिसमें सुझाव दिया गया है कि किसी व्यक्ति के ड्राइवर की हत्या करना उसे निशाना बनाने का एक आसान तरीका है। रोहित पवार ने बताया कि महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री और एनसीपी प्रमुख अजित पवार ने अपनी योजना बदल दी है, जिससे अटकलें तेज हो गई हैं।

कांग्रेस के मुस्लिम विधायक की मांग– गाय को घोषित करें राष्ट्रीय पशु, बोले– अंतिम संस्कार हो, बंद हो चमड़े का व्यापार

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य प्रदेश विधानसभा में एक अलग ही राजनीतिक बहस देखने को मिली, जब कांग्रेस के मुस्लिम विधायक ने गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग उठा दी। इस मांग पर भाजपा विधायक ने पलटवार करते हुए कहा कि पहले मस्जिदों में जाकर इस पर सहमति बनाएं।

कांग्रेस विधायक आतिफ अकिल ने विधानसभा में अपना संकल्प पेश करते हुए मांग की कि गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित किया जाए। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म में गाय को माता का दर्जा दिया गया है, इसलिए उसे राष्ट्रीय पशु घोषित किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अगर गाय की मौत हो जाए तो उसका अंतिम संस्कार किया जाना चाहिए और चमड़े का व्यापार भी बंद होना चाहिए।

आतिफ अकिल ने इस दौरान भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, "साल 2017 में मेरे पिता ने भी यही अशासकीय संकल्प लगाया था। उस वक्त भाजपा की ही सरकार थी, फिर भी यह संकल्प पारित नहीं हुआ था। इससे साफ है कि भाजपा की कथनी और करनी में बहुत फर्क है।"

भाजपा विधायक का पलटवार

कांग्रेस विधायक की इस मांग पर भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, "आतिफ अकिल को मस्जिद में जाकर मुस्लिम समुदाय से यह संकल्प प्रस्ताव पास कराना चाहिए। अगर वह ऐसा कर लेंगे, तो गाय अपने आप राष्ट्रीय पशु घोषित हो जाएगी।"

बीजेपी नेता उछाए सवाल

रामेश्वर शर्मा ने सवाल उठाया, "गौ माता को काटने वाला कसाई कौन है? जिस दिन मस्जिद में नमाज के बाद अल्लाह की कसम खाकर सभी मुसलमान यह तय कर दें कि किसी भी कीमत पर गाय नहीं काटने दी जाएगी, उस दिन कोई माई का लाल गाय को हाथ नहीं लगा सकता।" उन्होंने आतिफ अकिल को सलाह देते हुए कहा कि वह मस्जिदों में मौलवियों से भी इस बारे में बात करें।

माइथो-एक्शन फिल्म नागबंधम का बहुप्रतीक्षित टीजर रिलीज, विराट कर्णा का शिव अवतार बना सबसे बड़ी हाईलाइट

महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर, अभिषेक नामा के डायरेक्शन में बनी माइथो-एक्शन फिल्म नागबंधम का बहुप्रतीक्षित टीजर रिलीज कर दिया गया है। फिल्म में विराट कर्णा लीड रोल में हैं। प्रोड्यूसर किशोर अन्नापुरेड्डी और निशिता नागिरेड्डी ने इस फिल्म को एक बहुत बड़े स्केल पर तैयार किया है, जिसमें वर्ल्ड-क्लास प्रोडक्शन वैल्यू साफ़ नज़र आ रही है।

फैंस की एक्साइटमेंट तब सातवें आसमान पर पहुंच गई जब सुपरस्टार महेश बाबू ने खुद इस टीज़र को लॉन्च किया, जिससे पूरे देश में इस फिल्म को लेकर चर्चा तेज़ हो गई है। हिमालय की रहस्यमयी वादियों के बैकड्रॉप पर सेट यह टीज़र एक ऐसी दुनिया का दरवाज़ा खोलता है, जहां समय से भी पुराना एक गहरा राज़ दफन है। जब एक इंसान का लालच इस ब्रह्मांडीय सच को उजागर करने की कोशिश करता है, तब नियति खुद अपने योद्धा को चुनती है।

नागबंधम की कहानी अब्दाली के ऐतिहासिक अफगान आक्रमण से प्रेरित है, जिसमें माइथोलॉजी, इतिहास और आध्यात्मिक युद्ध का अनोखा मेल देखने को मिलता है। यह लड़ाई सांस्कृतिक विरोध और दैवीय सुरक्षा के बीच के टकराव को दिखाती है।

इस महागाथा के केंद्र में है पवित्र नागबंधम मंदिर, एक ऐसा गुप्त मंदिर जिसकी रक्षा दिव्य शक्तियां कर रही हैं और माना जाता है कि यहां ब्रह्मांड की एक प्राचीन शक्ति सुरक्षित है। हिमालय के छिपे हुए रास्तों के बीच स्थित इस मंदिर में इतनी अपार शक्ति है कि अगर यह गलत हाथों में पड़ गई, तो अकल्पनीय तबाही आ सकती है।

ब्रह्मा की रचना से जन्मा... विष्णु के धर्म से सुरक्षित... महादेव के क्रोध से शक्ति प्राप्त..., यह दमदार लाइन नागाबंधम की आत्मा को बखूबी बयां करती है। यह एक ऐसी गाथा है जहाँ दिव्यता, नियति और विनाश का आमना-सामना होता है। डायरेक्टर अभिषेक नामा की बड़ी सोच और साफ़ विज़न इस टीज़र में साफ़ झलकती है। उन्होंने जिस तरह से माइथोलॉजी, एक्शन और आध्यात्म को बेहतरीन टेक्निकल काम के साथ जोड़ा है, वो इस फिल्म को एक अलग ही लेवल पर ले जाता है।

हैरानी की बात यह है कि बिना एक भी डायलॉग के, यह टीज़र अपनी विज़ुअल पावर और शानदार कहानी कहने के अंदाज़ से दर्शकों को बांधे रखने में कामयाब रहा है। पहले ही फ्रेम से नागबंधम एक भव्य विज़ुअल एपिक होने का अहसास कराती है। सिनेमैटोग्राफर सुंदर राजन एस ने कमाल की बारीकी के साथ दिल दहला देने वाले नज़ारों को कैमरे में कैद किया है, वहीं हाई-एंड वीएफएक्स फिल्म के स्केल को और भी बड़ा बना देते हैं।

विज़ुअल्स के साथ-साथ अशोक कुमार का शानदार प्रोडक्शन डिज़ाइन, जुनैद कुमार का रोंगटे खड़े कर देने वाला बैकग्राउंड स्कोर और आरसी प्रणव की जबरदस्त एडिटिंग दर्शकों को एक ऐसी दुनिया में ले जाती है, जहां भक्ति युद्ध बन जाती है और आस्था गुस्से में बदल जाती है।

प्रोड्यूसर्स की यह पहली फिल्म होने के बावजूद, उनका काम करने का अंदाज़ काफी मज़बूत दिख रहा है। उन्होंने डायरेक्टर अभिषेक नामा के बड़े विज़न को पूरा सपोर्ट किया है। भारी-भरकम सेट्स लगाने से लेकर वीएफएक्स और हर टेक्निकल बारीकी पर जिस तरह ध्यान दिया गया है, उससे साफ़ है कि यह फिल्म इंडियन सिनेमा के लिए एक नया बेंचमार्क सेट करने वाली है।

कहानी के हीरो विराट कर्णा एक बहुत ही दमदार और बदले हुए अवतार में नज़र आ रहे हैं। टीज़र में मगरमच्छ के साथ उनकी लड़ाई के अलावा, भगवान शिव के रूप में उनकी एंट्री सबसे बड़ी हाईलाइट है। शिव जी का किरदार निभाना आसान नहीं होता, लेकिन विराट ने इसे पूरी शिद्दत से निभाया है। उनकी इंटेंसिटी और गजब का फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन इशारा करता है कि यह उनके करियर की सबसे यादगार परफॉरमेंस होने वाली है।

फिल्म में नभा नतेश, ईश्वर्या मेनन, महेश मांजरेकर, जगपति बाबू, ऋषभ साहनी, गरुड़ राम, जयप्रकाश, मुरली शर्मा, अनसूया भारद्वाज और बी.एस. अविनाश जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नज़र आएंगे। नागबंधम 2026 की सबसे ज़्यादा इंतज़ार की जाने वाली पैन-इंडिया फिल्मों में शुमार हो गई है।

एक्ट्रेस मुक्ति मोहन का नया मंत्र: लोगों से अप्रूवल लेने की जरूरत नहीं, बस जिंदगी जियो

शॉर्ट फिल्म ब्लड ब्रदर्स से अभिनय की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री मुक्ति मोहन सोशल मीडिया पर अपनी मौजूदगी से फैंस के दिलों में खास पहचान रखती हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में वे एक वॉइस ओवर के साथ लिपसिंक करती दिख रही हैं, एक ही तो जिंदगी मिली है।

इसमें लोगों को अच्छा बनने का कोई अप्रूवल नहीं दिखा सकती हूं। अच्छा इंसान बनने में कुछ नहीं रखा है। वीडियो में उनका अंदाज बिल्कुल सच्चा और बेबाक है। वे कैमरे की तरफ देखकर सीधे दिल की बात कह रही हैं। बता दें कि यह वॉइस ओवर सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। मुक्ति और कई अन्य कलाकार और सोशल मीडिया यूजर्स इस पर वीडियो बनाकर ट्रेंड का हिस्सा बन रहे हैं।

मुक्ति अक्सर अपनी बहनों के साथ डांस के वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। फैंस को अभिनेत्री का ये वीडियो काफी पसंद आ रहा है। वे कमेंट सेक्शन पर तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। मुक्ति मोहन की बात करें तो वे डांसर होने के साथ-साथ वेब सीरीज व टीवी शोज में अभिनय भी करती हैं। उन्होंने साहिब बीवी और गैंगस्टर, हेट स्टोरी, और कांचीः द अनब्रेकेबल जैसे कई प्रोजेक्ट्स पर काम किया है।

उन्होंने करियर की शुरुआत में 2007 में शॉर्ट फिल्म ब्लड ब्रदर्स से अभिनय की शुरुआत की और जरा नचके दिखा (2010) जीतकर रियलिटी शो में पहचान बनाई और झलक दिखला जा सीजन 6 (2013) में भी भाग लिया। मुक्ति मोहन बड़े पर्दे पर भी अपनी काबिलियत का परचम फहरा चुकी हैं। उन्होंने अब तक साहेब बीवी और गैंगस्टर, मुरान, दारुवु, हेट स्टोरी, टोपीवाला, कांचीः द अनब्रेकेबल, बॉर्न फ्री, दिल है हिंदुस्तानीः द मूवी, और थार आदि फिल्मों में अदाकारी की है। मुक्ति मोहन कोरियोग्राफर शक्ति मोहन और गायिका नीति मोहन की बहन हैं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादकः प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com